संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष- 21 अंक- 117
पृष्ठ 8
मंगलवार
14 जनवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित | Email : shaharsamta@gmail.com | Website : https://Shaharsamta.com | सम्पादक- उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मकर संक्रांति के दिन....
विचार- इलेक्टोरल बॉन्ड्सः भाजपा
खेल- सात साल पहले भारत ....

स्वस्थ शरीर से ही संभव हो सकते हैं धर्म के सभी साधन : योगी

गोरखपुर, एजेंसी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि धर्म के सभी साधन स्वस्थ शरीर से ही संभव हो सकते हैं। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) की तरफ से आयुर्वेद, योग और नाथपंथ के पारस्परिक अंतरसंबंधों को समझने के लिए आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन विशेष व्याख्यान में श्री योगी ने कहा " भारतीय मनीषा मानती है कि 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्श्। अर्थात धर्म की साधना के लिए शरीर ही माध्यम है। धर्मपरक जीवन से ही अर्थ, कामनाओं की सिद्धि और फिर मोक्ष प्राप्ति संभव है। इस परिप्रेक्ष्य में धर्म साधना से जुड़े जीवन को लेकर आयुर्वेद, योग और नाथपंथ की मान्यता के समान है। " मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आयुर्वेद, योग और नाथपंथ का मानवता के प्रति योगदान' विषय पर केंद्रित अपने व्याख्यान में उन्होंने कहा कि आयुर्वेद की मान्यता है कि चराचर जगत पंचभूतों से बना है। इन्हीं पंचभूतों से हमारा शरीर भी बना है। महायोगी गुरु गोरखनाथ ने भी कहा है कि पिंड में ही ब्रह्मांड समाया है। जो तत्व ब्रह्मांड में है वही हमारे शरीर में भी हैं। उन्होने कहा कि भारतीय मनीषा में हर व्यक्ति के जीवन का एक अभीष्ट होता है, धर्म के पथ पर चलते हुए मोक्ष की प्राप्ति करना प्रति करना। धर्म की साधना के लिए स्वस्थ शरीर की अपरिहर्ता हमारे ऋषियों, मुनियों ने बताई है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आयुर्वेद, योग और नाथपंथ, तीनों नियम–संयम पर जोर देते हैं। आयुर्वेद में जहां व्याधियों को दूर करने के लिए औषधियों और पंचकर्म की पद्धतियां हैं तो वही योग में भी हठयोग, राजयोग, ज्ञानयोग, लययोग और क्रियायोग की विशिष्ट विधियां हैं। इसी क्रम में शरीर की आरोग्यता के लिए नाथपंथ का हठयोगी योग को खट्कर्म से जोड़ता है। आयुर्वेद, योग और नाथपंथ की पद्धतियां, तीनों ही वात, पित्त और कफ से जनित रोगों के निदान के लिए एक मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं और वह मार्ग है नियम–संयम। आयुर्वेद, योग और नाथपंथ तीनों ही व्यवहारिकता के स्तर पर एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। तीनों ने ही शरीर को पंचभौतिक माना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नियम–संयम का जीवन में बड़ा महत्व है। योग ने उसी को जोड़ा है। अंतःकरण की शुद्धि नियम–संयम से ही हो सकती है। नाथ योगियों ने क्रियात्मक योग के माध्यम से नियम संयम की विशिष्ट विधा दी है। कौन सी क्रिया का लाभ कब प्राप्त होगा, नाथ योगियों ने इसे विस्तार से समझाया है। उन्होंने कहा कि योग के कई आसनों के नाम नाथ योगियों के नाम पर हैं जैसे गोरखआसन, मत्स्येंद्रआसान, गोमुखआसन आदि। सीएम योगी ने कहा कि नाथ परंपरा में हर नाथ योगी जनेऊ धारण करता है जो उसे शरीर की नाड़ियों से अवगत कराता है। नाथ जनेऊ की उपयोगिता उसे योगी की दीक्षा के समय बताई जाती है। योग हर नाथ योगी के जीवन का अभिन्न हिस्सा होता है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गुरु गोरखनाथ ने चेतना के उच्च आयाम तक पहुंचाने का मार्ग दिखाया है। उन्होंने चेतन मन के साथ ही अवचेतन और अचेतन मन को साधने की क्रिया भी सिखाई है। मानव मन, बिना साधना के जितना चेतन होता है वह संपूर्ण चेतना का बहुत छोटा भाग है। योग के माध्यम से साधना की चरम सीमा पर जाकर हम अवचेतन और अचेतन मन के रहस्यों को उद्घाटित कर सकते हैं। नाथ योगियों की साधना का उद्देश्य भी यही रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शरीर की यही साधना अष्ट सिद्धियों और नौ निधियों को प्राप्त करने का माध्यम भी है।

जम्मू–कश्मीर भारत का ताज : मोदी

● लोगों को वायदे पूरा करने का दिया भरोसा

श्रीनगर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को जम्मू–कश्मीर को भारत का ताज बताते हुये, क्षेत्र के लोगों को भरोसा दिया कि उन्होंने जो वायदे किये हैं, उन्हें निभाया जायेगा और राज्य के विकास के लिये हर काम समय से पूरा किया जायेगा। श्री मोदी सोनमर्ग सुरंग (जेड–मोड़–सुरंग) का उद्घाटन करने के बाद यहां आयोजित एक बड़ी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। श्री मोदी ने कहा, "आप पक्का मानिये, ये मोदी है, वादा करता है, तो निभाता है। हर काम का समय होता है, सही समय पर सही काम भी होने वाले हैं।" इस मौके पर केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग विकास मंत्री नितिन गडकरी, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह, केन्द्र शासित प्रदेश के उप–राज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने कहा, "कश्मीर तो देश का मुकुट है३भारत का ताज है। इसलिये, मैं चाहता हूं कि ये ताज और सुंदर हो, और समृद्ध हो। मुझे ये देखकर खुशी होती है कि इस काम में मुझे यहां के नौजवानों, बुजुर्गों , बेटे–बेटियों का लगातार साथ मिल रहा है।" प्रधानमंत्री ने सोनमर्ग सुरंग को जम्मू–कश्मीर के लिये एक बड़ी सौगात बताते हुये कहा, आज मैं एक बड़ी सौगात लेकर आपके एक सेवक के रूप में आपके बीच आया हूं। कुछ दिन पहले मुझे जम्मू में आपके अपने रेल डिवीजन का शिलान्यास करने का अवसर मिला था। यह आपकी बहुत पुरानी मांग थी। आज मुझे सोनमर्ग सुरंग देश को और आपको सौंपने का मौका मिला है, यानी जम्मू–कश्मीर की, लद्दाख की एक और बहुत पुरानी मांग आज पूरी हुई है।" उन्होंने कहा कि सोनमर्ग सुरंग का वास्तविक निर्माण कार्य, उनकी सरकार ने 2015 में शुरू किया था और " मुझे खुशी है कि इस सुरंग का काम हमारी ही सरकार में पूरा भी हुआ है।" प्रधानमंत्री का सभा में स्वागत करते हुये, मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने राज्य में निष्पक्ष चुनाव कराने के लिये उनका और चुनाव आयोग का आभार जताया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री जम्मू–कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का वायदा भी जल्द पूरा करेंगे। श्री मोदी ने कहा कि इस टनल से सर्दियों के मौसम में सोनमर्ग की कनेक्टिविटी भी बनी रहेगी और इससे सोनमर्ग सहित पूरे इलाके में पर्यटन उद्योग को नये पंख लगेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में जम्मू–कश्मीर में रेल और सड़क सुविधाओं का और विस्तार होगा। प्रधानमंत्री ने कहा, "अब तो कश्मीर वादी रेल से भी जुड़ने वाली है। मैं देख रहा हूं कि इसको लेकर भी यहां जबरदस्त खुशी का माहौल है।" उन्होंने कहा, " आज भारत, तरक्की की नयी बुलंदी की तरफ बढ़ चला है। हर देशवासी 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में जुटा है। यह तभी हो सकता है, जब हमारे देश का कोई भी हिस्सा, कोई भी परिवार तरक्की से पीछे न छूटे।" प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के सफ़र में, बहुत बड़ा योगदान, हमारे पर्यटन क्षेत्र का है। बेहतर संपर्क सुविधाओं के कारण, जम्मू–कश्मीर के उन इलाकों तक भी पर्यटक पहुंचेंगे, जो अभी तक अनछुये हैं।" उन्होंने कहा कि बीते 10 सालों में जम्मू–कश्मीर में अमन और तरक्की का जो माहौल बना है, उसका फायदा हम पहले ही पर्यटन क्षेत्र में देख रहे हैं। साल 2024 में दो करोड़ से अधिक पर्यटक जम्मू–कश्मीर आये हैं। यहां सोनमर्ग में भी 10 साल में छह गुना ज्यादा पर्यटक बढ़े हैं। इसका लाभ यहां की जनता को हुआ है। श्री मोदी ने अपने भाषण के प्रारंभ में कहा, " आज का दिन बहुत ही खास है। आज देश के हर कोने में उत्सव का माहौल है। आज से ही प्रयागराज में महाकुंभ आरंभ हो रहा है। करोड़ों लोग वहां पवित्र स्नान के लिये उमड़ रहे हैं। आज पंजाब सहित पूरा उत्तर भारत लोहड़ी की उमंग से भरा है।" उन्होंने कहा, "इसके लिये ही हमारी सरकार सबका साथ–सबका विकास की भावना के साथ पूरे समर्पण से दिन–रात काम कर रही है। बीते 10 साल में जम्मू–कश्मीर सहित पूरे देश के चार करोड़ से ज्यादा गरीबों को पक्के घर मिले। आने वाले समय में तीन करोड़ और नये घर गरीबों को मिलने वाले हैं।"

भाजपा धांधली और बेईमानी से दिल्ली का चुनाव लड़ना चाहती : केजरीवाल

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी(आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) धांधली करके और बेईमानी से दिल्ली का चुनाव लड़ना चाहती है। श्री केजरीवाल ने आज कहा कि पटपड़गंज से हमारे उम्मीदवार अवध कुमार ओझा का वोट ग्रेटर नोएडा में बना हुआ था। उन्होंने दिल्ली में वोट बनवाने के लिए 26 दिसंबर को फॉर्म 6 भरकर आवेदन दिया था लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं आया। किसी ने उनसे कहा कि क्योंकि उनका ग्रेटर नोएडा में वोट बना हुआ है तो उन्हें वोट ट्रांसफर के लिए फॉर्म 6 नहीं, फॉर्म 8 भरना पड़ेगा। उन्होंने 7 जनवरी को फॉर्म 8 भर दिया। कानून के मुताबिक, फॉर्म 8 भरने की 7 जनवरी आखिरी तारीख थी। चुनाव आयोग के मैनुअल यह कहते हैं कि नामांकन की अंतिम तारीख से 10 दिन पहले तक फॉर्म 6, फॉर्म 7, फॉर्म 8 भरे जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली की निर्वाचन अधिकारी ने एक आदेश निकालकर कहा है कि फॉर्म 8 भरने की 7 जनवरी आखिरी तारीख है लेकिन रहस्यमय ढंग से एक दिन बाद उन्होंने दोबारा आदेश निकालकर कहा कि 6 जनवरी आखिरी तारीख है। यह दूसरा आदेश क्यों निकाला गया? यह कानून के खिलाफ है। यह चुनाव आयोग की दिशानिर्देश और मैनुअल के खिलाफ है। क्या यह आदेश जानबूझकर अवध ओझा को चुनाव से बाहर करने के लिए निकाला गया? श्री केजरीवाल ने कहा कि चुनाव आयोग का मैनुअल कहता है कि अगर कोई फॉर्म 8 यानी वोट ट्रांसफर कराने की एप्लिकेशन आखिरी तारीख के बाद भी आती है तो चुनाव आयोग उस पर गौर कर सकता है। लेकिन हमारे लिए यह उम्मीदवार के उम्मीदवारी का सवाल है और इसमें किसी भी तरह की कोई गड़बड़ नहीं है।

कन्हैयालाल स्मृति साहित्य सम्मान 2025(रजि.)

हिंदी साहित्य के क्षेत्र में काव्य संग्रह, कहानी संग्रह, उपन्यास, संस्मरण, नाटक आदि विधाओं पर यह सम्मान प्रदान किया जाता है। इस सम्मान प्राप्त करने के इच्छुक साहित्यकार अपनी कृतियों को 5 प्रतियों में निम्न पते पर 1 फरवरी 2025 तक भेजें। भेजें। 2022, 2023, 2024 तक प्रकाशित रचनाओं को सम्मिलित किया जाएगा। रचनाएं पूर्णतया मौलिक होनी चाहिए।

प्रवीष्टियाँ भेजने की अंतिम तारीख 1 फरवरी 2025 है।

पता–'शहर समता' (दैनिक, साप्ताहिक) राष्ट्रीय समाचार पत्र कार्यालय289/238ए, अनंत भवन, कर्नलगंज थाने के पीछे प्रयागराज 211002

सूरत से प्रयागराज आ रही ट्रेन पर फेंके गए पत्थर

लखनऊ, एजेंसी। उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत हो चुकी है। देश के कई इलाकों से लोग प्रयागराज के महाकुंभ पहुंच रहे है। यहां लोग ट्रेनों से भी आ रहे है। इसी बीच महाराष्ट्र के जलगांव रेलवे स्टेशन के नजदीक बड़ी घटना घटी है। ताप्ती गंगा एक्सप्रेस ट्रेन पर एक पत्थर फेंका गया है, जो सुर्खियों में आ गया है। पुलिस ने इस घटना के बाद एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है। एक अधिकारी ने ये जानकारी दी है। अधिकारी का कहना है कि ट्रेन पर पत्थर फेंका गया है, जिससे खिड़की का शीशा टूट गया है। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। इस घटना में बी6 कोच का शीशा टूटा है। जलगांव रेलवे पुलिस के अधिकारी का कहना है कि सूरत से छपरा जाने वाली ताप्ती गंगा एक्सप्रेस में सवार यात्रियों पर पथराव हुआ है। इस घटना की सूचना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए मिली। महाकुंभ मेले के लिए कुछ यात्री प्रयागराज जा रहे है।

राज्यपाल ने बीपीएससी परीक्षा विवाद को सुलझाने का आश्वासन दिया : प्रशांत किशोर

पटना, एजेसी। जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने दावा किया कि बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने हाल ही में संपन्न बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की प्रारंभिक परीक्षा को लेकर जारी गतिरोध को खत्म करने हेतु हस्तक्षेप करने की पेशकश की है। किशोर ने पटना में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि राज्यपाल की पहल पर एक

प्रतिनिधिमंडल दोपहर बाद राजभवन जाएगा और उन्हें आंदोलनकारी छात्रों की शिकायतों से अवगत कराएगा। किशोर ने यह भी कहा कि वह अपना आमरण अनशन जारी रखेंगे। अनशन के दौरान तबीयत खराब होने पर किशोर को पटना के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने कहा, "आदरणीय राज्यपाल ने पहल की है और उन्होंने आश्वासन दिया है कि हाल ही में संपन्न बीपीएससी परीक्षा से जुड़े विवाद का समाधान खोजने के प्रयास किए जाएंगे। इस मुद्दे पर सरकार और प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों के बीच बातचीत के प्रयास भी किए जाएंगे, ऐसा सरकार ने भी आश्वासन दिया है।'' पूर्व चुनावी रणनीतिकार किशोर ने कहा कि बीपीएससी के अभ्यर्थियों का 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल इस संबंध में राज्यपाल से मुलाकात करेगा और उन्हें आंदोलनकारी छात्रों की शिकायतों से अवगत कराएगा।

खुद को संविधान से ऊपर समझते हैं केजरीवाल : सुधांशु

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किये जाने को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) तथा दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला है और कहा कि क्या वह (श्री केजरीवाल) संविधान से ऊपर हैं कि कैग की रिपोर्ट को विधानसभा के पटल पर नहीं रख रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को कैग की रिपोर्ट के मुद्दे पर पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुये आप पर निशाना साधा और कहा कि दिल्ली में मुख्यमंत्री हैं भी और नहीं भी हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में यहां अस्थायी मुख्यमंत्री और वास्तविक मुख्यमंत्री के बीच द्वंद है, जिसे लेकर जनता के मन में कई प्रश्न तो उठ ही रहे थे। अब प्रश्न संवैधानिक व्यवस्थाओं और कानूनी दृष्टिकोण से भी उठने लगे हैं। उन्होंने कहा कि आप नेता रोज एक सवाल खड़ा करते हैं, लेकिन दिल्ली सरकार कैग की रिपोर्ट को सदन के पटल नहीं रखती है। यह समझ से परे हैं कि आप सरकार कैग की रिपोर्ट को पर क्यों नहीं रख रही है? उन्होंने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय की टिप्पणी के बाद भी आप सरकार कैग की रिपोर्ट को सदन में नहीं रख रही है। भाजपा नेता ने बताया कि दिल्ली सरकार ने 11 जनवरी 2025 को कहा था कि कैग की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, " इससे यह साफ है कि ये आर्थिक और राजनीति के साथ–साथ संवैधानिक आपदा भी है। आप सरकार अपने आय व्यय की समीक्षा को सार्वजनिक भी नहीं करना चाहती है।" उन्होंने कहा कि पहले आप वाले कांग्रेस के साथ गये, अब साथ नहीं है, लेकिन उसका (कांग्रेस) वायरस तो लेकर आये गये हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने एक बार कहा था कि 100 जवाबों से बेहतर है मेरी एक खामोशी, श्री केजरीवाल भी शायद ये कहने का प्रयास कर रहे हैं,

‘हर-हर महादेव, जय श्री राम...’ जयघोष करते हुए श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकीय

प्रयागराज। भव्य महाकुंभ 2025 आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक एकता के जबरदस्त प्रदर्शन के साथ शुरू हुआ है। जिसने आज 144 वर्षों में एक बार देखी गई आध्यात्मिक भव्यता की याद ताजा कर दी। यहां देश और दुनिया भर से भक्तों का एक समूह न केवल जप, ध्यान और आध्यात्मिक तृप्ति के लिए एकत्र हुआ, बल्कि महाकुंभ की बेजोड़ सांस्कृतिक विरासत का अनुभव करने के लिए भी एकत्र हुआ। पवित्र नगरी प्रयागराज में संगम नोज समेत स्थायी और अस्थायी घाटों पर भारी भीड़ है। कई भक्तों को दिव्य वातावरण से अभिभूत, नम आंखों के साथ देखा गया। वहीं कई लोग प्रार्थना, अनुष्ठान और एकता की भावना में डूबे रहे। दो दिन पहले ही लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान करना शुरू कर दिया था, जो दर्शाता है कि 45 दिवसीय महाकुंभ 2025 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लगाए गए भीड़ के अनुमान को पार कर सकता है। शुरुआती दिनों में भारी भीड़ से पता चलता है कि इस साल का समागम पहले से कहीं ज्यादा बड़ा होगा। पौष पूर्णिमा पर, अपने गहन आध्यात्मिक अनुशासन के लिए जाने जाने वाले कल्पवासियों ने श्मोक्षदायिनीश संगम में पवित्र डुबकी लगाई और 45 दिनों तक चलने वाले अपने आध्यात्मिक एकांतवास की शुरुआत की। कल्पवासी महाकुंभ अवधि के दौरान ब्रह्मचर्य, साधारण जीवन और नियमित प्रार्थना के सख्त व्रत का पालन करते हैं। उन्होंने न केवल अपने व्यक्तिगत आध्यात्मिक उत्थान के लिए बल्कि मानवता के कल्याण के लिए भी प्रार्थना की। इस वर्ष, महादेव की पूजा के लिए शुभ दिन सोमवार को पड़ने वाले पौष पूर्णिमा के संयोग ने इस अवसर को आध्यात्मिक रूप से और भी महत्वपूर्ण बना दिया। संगम नोज समेत सभी प्रमुख घाटों पर डुबकी लगाते समय श्रद्धालु हर–हर महादेव, जय श्री राम और जय बजरंग बली के जयकारे लगाते नजर आए। बिहार, हरियाणा, बंगाल, ओडिशा, दिल्ली, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए। महाकुंभ की भव्यता ने न केवल भारतीय श्रद्धालुओं, बल्कि दुनिया भर से आए पर्यटकों को भी मंत्रमुग्ध कर दिया। संगम घाट पर अंतरराष्ट्रीय तीर्थयात्रियों और आध्यात्मिक साधकों का तांता उत्सव में शामिल हुआ। दक्षिण कोरिया के कई यूट्यूबर इस दिव्य अनुभव को अपने कैमरों में कैद करते नजर आए, जबकि जापान के पर्यटकों ने स्थानीय गाइडों से इस आयोजन के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को समझने की कोशिश की। सोमवार को रूस–अमेरिका समेत यूरोप के विभिन्न देशों से आए श्रद्धालु आस्था और एकता के इस महापर्व के साक्षी बने और डुबकी भी लगाई। कई अंतरराष्ट्रीय मेहमानों में स्पेन की क्रिस्टीना भी शामिल थीं, जिन्होंने महाकुंभ की भव्यता के लिए अपनी हार्दिक प्रशंसा व्यक्त की और इसे ष्जीवन में एक बार होने वाला अनुभवष बताया। उल्लेखनीय रूप से, इस वर्ष के महाकुंभ में अपेक्षित भीड़ कई देशों की आबादी को पार करने की उम्मीद है, जो इसे वास्तव में एक वैश्विक आयोजन बनाती है। विदेशी भक्त न केवल इस आयोजन को देखने के लिए आकर्षित हुए, बल्कि अनुष्ठानों में सक्रिय रूप से हिस्सा लेते हुए भी देखे गए, जिसमें अन्य देशों के कई साधु और संन्यासी सनातन धर्म को अपनाते हुए और आध्यात्मिक आशीर्वाद के रूप में पवित्र डुबकी लगाते दिखाई दिए। महाकुंभ की जीवंत ऊर्जा संगम मेला और लेटे हनुमान मंदिर के पास के बाजार क्षेत्रों तक फैल गई। पूजा सामग्री के विक्रेता और तिलक कलाकार भक्तों की बढ़ती भीड़ को संभालने में व्यस्त देखे गए। प्रसाद, चुनरी और दीया सामग्री बेचने वाले खुदरा विक्रेताओं ने बताया कि इस साल तीर्थयात्रियों की आमद 2019 के कुंभ मेले से भी अधिक हो गई है।

नगर आयुक्तने विकास मार्केट में किया निरीक्षण

मथुरा। श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को उच्च कोटि की सफाई एवं जन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम तत्पर है। इसी क्रम में सोमवार को नगर आयुक्त शशांक चौधरी द्वारा विकास बाजार स्थित शौचालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शौचालय की साफ सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पानी आदि की मूलभूत

व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। साथ ही आस पास के दुकानदारों से शौचालय की सफाई आदि व्यवस्था के संबंध में फीडबैंक लिये गये। कार्यदायी संस्था को नियमित साफ सफाई एवं आवश्यक उपकरण और स्वच्छ भारत मिशन के मानकों के अनुरुप संचालित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण दौरान राकेश त्यागी सहायक नगर आयुक्त, अमरेन्द्र गौतम मुख्य अभियन्ता सिविल, डॉ. गोपाल बाबू गर्ग नगर स्वास्थ्य अधिकारी, जितेन्द्र सिंह क्षेत्रीय स्वास्थ्य अधिकारी, राजकुमार लवानियां क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक आदि उपस्थित रहें।

प्रयागराज का महा कुंभ

प्रयागराज सज गया आज,
सब पूर्ण हो गए इसके काज,
चला मिटाने सबका दंभ,
प्रयागराज का महाकुंभ।
हर चौराहे की शान बढ़ गई,
सड़कों पर मुस्कान सज गई,
दीवारें आध्यात्म रंग में,
रंग कर अपना मान बढ़ा गई।
लोगों में उत्साह बड़ा है,
स्वागत में हर एक खड़ा है,
जाति धर्म का बैर भूल कर,
हर जन नतमस्तक पड़ा है।
महाकुंभ की पावन धरती,
जप तप से श्रृंगार है करती,
ष्सभी एकष यह अलख जगा कर,
तृप्त हो गई धरा यहां की।
अरैल घाट की देखो रौनक,
बलुआ घाट की सूरत मोहक,
दारागंज की संकरी गलियां,
लगती जैसे कोमल कलियां।
मनकामेश्वर, नाग बासुकी,
यहां कामना रहे ना बाकी,
कल्याणी देवी की पूजा,
इनके बिना ना काम हो दूजा।
गंगा यमुना का संगम देखो,
मिलकर रहना इनसे सीखो
बजरंग बली को शीश झुकाकर,
सारे तीरथ यहीं पे कर लो।
साधु संतों से सज गया संगम,
मंत्रोच्चारण गूंजे हर दम,
देख अखाड़े नतमस्तक जन,
खिला खिला सा सबका तन मन।
विश्व बंधुत्व का दे कर नारा,
मानस जन का बना सहारा,
यही ध्येय दिखलाता कुंभ,
सर्व सिद्धि प्रदः कुंभ।
सर्व सिद्धि प्रदः कुंभ।

वत्सला मिश्रा अध्यापिका मुगारी दिव्तीय प्राथमिक विद्यालय करछना

महाकुम्भ में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा श्जन भागीदारी से जन कल्याणश और भारत सरकार की विगत 10 वर्षों में उपलब्धियों, कार्यक्रमों, नीतियों एवं योजनाओं पर आधारित डिजिटल प्रदर्शनी का आज 13 जनवरी को शुभारम्भ हुआ

शुभारंभ के दिन ही प्रदर्शनी में सैकड़ो की भीड़ इकट्ठा हुई और प्रदर्शनी का अवलोकन किया

सूचना प्रसारण मंत्रालय की डिजिटल प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन संपूर्ण मेला अवधि तक किया जाएगा

डिजिटल प्रदर्शनी के अतिरिक्त महाकुंभ 2025 में 200 से अधिक आकर्षक सांस तिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के माध्यम से उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लोक और शास्त्रीय कार्यक्रमों को भी विभिन्न स्थलों पर प्रदर्शित किया जा रहा है

महाकुम्भ नगर, 13 जनवरी। महाकुम्भ 2025 प्रयागराज में त्रिवेणी मार्ग पर प्रदर्शनी परिसर में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एकता के महाकुम्भ में श्जन भागीदारी से जन कल्याणश और भारत सरकार की विगत 10 वर्षो में उपलब्धियों, कार्यक्रमों, नीतियों एवं योजनाओं पर आधारित डिजिटल प्रदर्शनी का आज 13 जनवरी को शुभारम्भ हुआ। शुभारंभ के दिन ही प्रदर्शनी में सैकड़ो की भीड़ इकट्ठा हुई और प्रदर्शनी का अवलोकन किया। त्रिवेणी मार्ग प्रदर्शनी परिसर में आयोजित यह प्रदर्शनी मेला अवधि 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक आमजन के अवलोकन के लिए निःशुल्क खुली रहेगी। डिजिटल प्रदर्शनी में एनामॉर्फिक वाल, एलईडी टीवी स्क्रीन, एलइडी वाल, होलोग्राफिक सिलेंडर के माध्यम से विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं की

जानकारी प्रदर्शित हो रही है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से जन सामान्य को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, नमो ड्रोन दीदी, लखपति दीदी, वेव्स, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना, मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री आवास योजना, विद्यॉंजली, आत्म निर्भर भारत, स्किल इंडिया, एक भारत श्रेष्ठ भारत, प्रधान मंत्री उज्जवला योजना, हर घर जल योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, आजाद भारत के तीन नये कानून, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के साथ साथ नारी सशक्तिकरण की योजनाओं तथा विभिन्न अन्य योजनाओं की जानकारी दर्शकों और जन सामान्य को मिल रही है। सूचना प्रसारण मंत्रालय के द्वारा डिजिटल प्रदर्शनी के अतिरिक्त महाकुंभ 2025 में 200 से अधिक आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के माध्यम से उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लोक और शास्त्रीय कार्यक्रमों को भी विभिन्न स्थलों पर प्रदर्शित किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से भी विकसित भारत एवं भारत सरकार की विगत 10 वर्षों में उपलब्धियों, योजनाओं कार्यक्रमों और नीतियों को जन सामान्य के बीच में प्रदर्शित किया जा रहा है। इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी 13 जनवरी से लेकर 26 फरवरी तक संपूर्ण महाकुंभ मेला अवधि के दौरान किया जाएगा।

प्रत्येक सांस्कृतिक कार्यक्रम एक अनूठी कहानी बताते और अपने क्षेत्र के स्थानीय रीति–रिवाजों, अनुष्ठानों और आध्यात्मिकता को दर्शाता है, जो महाकुंभ में आने वाले जन सामान्य के लिए के लिए एक शानदार दृश्य और कलात्मक अनुभव बनता है।

इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सैकड़ो की संख्या में प्रतिभाशाली कलाकार भाग ले रहे हैं, जो विभिन्न क्षेत्रीय नृत्य और गायन शैलियों का प्रतिनिधित्व कर रहे है।

द्वैताद्वैत का अनुपम संसार पुस्तक का हुआ विमोचन

द्वैताद्वैत का अनुपम संसार सुगम भी है अगम भी– प्रो. शिशिर पाण्डेय

मिर्जापुर। स्वामी विवेकानंद की जयंती पर महर्षि दयानंद बालिका इंटर कॉलेज के सभागार में मिर्जापुर की प्रसिद्ध कवयित्री व लेखिका डॉ. उषा कनक पाठक द्वारा रचित पुस्तक श्द्वैताद्वैत का अनुपम संसारश का विमोचन समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि जगद्गुरु राम भद्राचार्य प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय व अध्यक्षता डॉ. श्यामनारायण तिवारी व विशिष्ट अतिथि डॉ. सच्चिदानंद पाठक ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके कार्यक्रम का प्रारंभ किया। मुख्य अतिथि डॉ शिशिर पांडेय ने अपने वक्तव्य में कहा कि डॉ. उषा कनक पाठक रचित श्द्वैताद्वैत का अनुपम संसारश सुगम भी है अगम भी है। अध्यक्षता कर रहे माध्यमिक शिक्षक संघ के उपाध्यक्ष डॉ श्याम नारायण तिवारी ने कहा कि डॉ. उषा की अनेक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं और कई प्रकाशनाधीन हैं। श्द्वैताद्वैत का अनुपम संसारश हमें प्रकृति से जोड़ती है। विशिष्ट अतिथि डॉ सच्चिदानंद पाठक ने कहा– द्वैताद्वैत का ज्ञान मोक्ष की ओर ले जाता है।कार्यक्रम समन्वयक सलिल पाण्डेय ने कहा आदिशक्ति की गूढ़ परिकल्पना को यह पुस्तक दिखाती है। कार्यक्रम के प्रारम्भ में जवाहिर लाल दुबे श्प्रदीपश ने सरस्वती वंदना वंदना प्रस्तुत किया। शिवांगी दूबे ने अतिथियों के स्वागत में स्वागत गान सुनाया। कार्यक्रम का संचालन उमाशंकर पाण्डेय ने किया। विजयशंकर पाठक ने सभी अतिथियों को अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न प्रदान कर स्वागत किया। इस कार्यक्रम में रोहित त्रिपाठी, आनंद अमित, सलिल पांडेय, डॉ श्याम शंकर उपाध्याय, सुदामा प्रसाद, जवाहरलाल दुबे प्रदीप, अच्युतानंद शुक्ला व सगुफ्ता परवीन का अंगवस्त्रम से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रमेश कुमार द्विवेदी, शुशील कुमार तिवारी, संजय सिंह, पूजा, शिवबली पाठक, शिवपूजन पाठक, रविशंकर ओझा, प्रियंका चतुर्वेदी, नलिनेश मिश्रा आदि उपस्थित रहे। अंत में आयोजक सौरभ पाठक ने सभी का धन्यवाद प्रकट किया।

स्वच्छ यमुना स्वस्थ वृंदावन के तहत की यमुना घाटों की सफाई

मथुरा। श्री वृंदावन धाम में स्वच्छ यमुना स्वस्थ वृंदावन अभियान के तहत यमुना घाटों की सफाई सेवा दैनिक रूप से जारी है। इस कार्य में सोल ऑफ ब्रज फेडरेशन, रतूड़ी फाउंडेशन, और द हिंदू डायस्पोरा फाउंडेशन ने एकजुट होकर योगदान दिया है। देव रतूड़ी और रमेश रामदीन के समर्थन के लिए उनकी प्रशंसा की गई।

पिछले दो महीनों में टीम ने 20 टन से अधिक कचरा हटाकर घाटों को स्वच्छ बनाने में सफलता प्राप्त की है। सोल ऑफ ब्रज फेडरेशन ने युगल घाट पर पहला सूचना काउंटर स्थापित किया है, जिससे श्री वृंदावन धाम के बारे में जानकारी और सफाई अभियान की जागरूकता बढ़ाई जा रही है। इस अभियान में नगर निगम के सहयोग से सफाई कार्य को सरल और प्रभावी बनाया। अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार ने इस प्रयास में सक्रिय भूमिका निभाई। वर्तमान में छह सदस्यीय टीम नियमित रूप से घाटों को साफ और कचरा मुक्त रखने के लिए काम कर रही है। सोल ऑफ ब्रज फेडरेशन के संस्थापक और निदेशक तरुण मिश्रा, शालू मिश्रा ने कहा कि भविष्य में हम श्रद्धालुओं और आगंतुकों के लिए सुखद और आनंददायक अनुभव के लिए यमुना घाटों पर श्रद्धालुओं के लिए और अधिक गतिविधियाँ जोड़ी जाएंगी, ताकि वृंदावन धाम का अनुभव सुखद और पर्यावरण के अनुकूल हो। स्वच्छ यमुना स्वस्थ वृंदावन अभियान एक प्रेरणादायक पहल बनकर अन्य लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक कर रहा है।

तीन प्रमुख स्नान पर्वों पर बड़े हनुमान मंदिर के भीतर नहीं मिल सकेगा प्रवेश, बाहर से होंगे दर्शन

प्रयागराज। मुख्य स्नान पर्वों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना को देखते हुए बंधवा स्थित लेटे हनुमान मंदिर प्रबंध समिति ने बड़ा निर्णय लिया है। मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या व बसंत पंचमी पर मंदिर के गर्भ ग्रह में जाकर दर्शन पर रोक लगा दी है। पौष पूर्णिमा समेत अन्य तीन मुख्य स्नान पर्वों पर दर्शन पहले की तरह ही होंगे। मकर संक्रांति का पर्व 14 जनवरी, मौनी अमावस्या 29 जनवरी व बसंत पंचमी का मुख्य स्नान पर्व तीन फरवरी को होगा। इन पर्वों पर भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। जिसका प्रबंधन पुलिस प्रशासन ही नहीं बल्कि मंदिर प्रबंधन के लिए भी बेहद चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसी को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। मंदिर के महंत बलबीर गिरि ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए फैसला किया गया है कि तीन मुख्य स्नान पर्वों पर मंदिर के भीतर गर्भ ग्रह में जाकर दर्शन पर प्रतिबंध रहेगा। इस दौरान श्रद्धालु शिखर दर्शन ही कर सकेंगे। इसमें श्रद्धालु मंदिर की ओर मुख करके हनुमान जी का ध्यान कर मंदिर के शिखर का दर्शन करेंगे। जिन तीन मुख्य स्नान पर्वों पर मंदिर के भीतर जाकर दर्शन प्रतिबंधित होगा, इनमें मंदिर के भीतर अनुष्ठान किया जाएगा। महंत के अनुसार, अन्य तीन मुख्य स्नान पर्व और सामान्य दिनों में दर्शन यथावत किया जा सकेगा। डीआईजी मेला वैभव कृष्ण ने बताया कि 14 जनवरी, 29 जनवरी और तीन फरवरी को श्रद्धालुओं को मंदिर कॉरिडोर के भीतर जाने की भी अनुमति नहीं होगी। मुख्य स्नान पर्वों पर अक्षयवट दर्शन पहले ही प्रतिबंधित किया जा चुका है। सुरक्षा की दृष्टि से यह निर्णय लिया गया है। अफसरों के अनुसार यह व्यवस्था सभी मुख्य स्नान पर्वों पर लागू रहेगी।

सड़क दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत की कमी लाने का लक्ष्य

–नो हेलमेट, नो फ्यूल रणनीति लागू, पेट्रोल पम्प पर चालू रखने होंगे सीसीटीवी

–जिलाधिकारी ने जारी किये दिशा निर्देश

मथुरा। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने कार्यालय परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश लखनऊ के पत्र के द्वारा नो हेलमेट, नो फ्यूल रणनीति लागू करने की अपेक्षा करते हुए अवगत कराया गया है कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु एवं घायलों की संख्या में वृद्धि के प्रति भारत सरकार द्वारा गम्भीर चिंता व्यक्ति की गयी है। हाल ही में हुई राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए समस्त जिलों में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करना अनिवार्य है। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली असामयिक मृत्यु और गम्भीर चोटों को रोकने के लिए एक ठोस, दीर्घकालिक और प्रभावी रणनीति की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार सड़क दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत की कमी लाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उसे प्राप्त करने के लिए नवाचार और व्यवहार परिवर्तन पर केन्द्रित उपायों को अपनाना अनिवार्य है। इस दिशा में शहरी क्षेत्रों में नो हेलमेट, नो फ्यूल रणनीति एक निर्णायक कदम हो सकती है। यह रणनीति न केवल हेलमेट पहनने को अनिवार्य बनाने में सहायक होगी, बल्कि सड़क सुरक्षा के प्रति नागरिकों में जिम्मेदारी और अनुशासन की भावना को भी प्रोत्साहित करेगी। मोटरवाहन अधिनियम 1988 की धारा 129 एवं उत्तर प्रदेश मोटरयान नियमावली 1998 के नियम 201 के अनुसार सभी मोटर साइकिल चालकों एवं सवारियों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा निर्धारित माकनों के अनुरूप प्रोटेक्टिव हेड गियर (हेल्मेट) पहनना अनिवार्य है। इन प्राविधानों का उल्लघंन केन्द्रीय मोटर यान अधिनियम 1988 की धारा 177 के तहत दण्डनीय है, जिसमें जुर्माने का प्राविधान है। इस सम्बन्ध में जनपद मथुरा में स्थित सभी पेट्रोल पम्प संचालकों एवं स्वामियों को निर्देश दिये जाते हैं कि आगामी सात दिवसों में अपने प्रांगण में इस आशय के बड़े बड़े होर्डिंग लगाएंगे कि 26 जनवरी से किसी भी ऐसे दो पहिया वाहन चालक को पेट्रोल का विक्रय नहीं किया जायेगा। जिसके चालक तथा सहयात्री ने हेलमेट नहीं पहना हो। सभी पेट्रोल पम्प संचालक एवं स्वामी यह भी सुनिश्चत करेंगे कि उनके प्रतिष्ठान में सीसीटीवी कैमरा सदैव सक्रिय रहे, ताकि किसी भी विवाद की स्थिति में सीसीटीवी फटेज का आवलोकन कर आवश्यक निर्णय लिया जा सके।

अभाविप ने राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया विवेकानंद का जन्मदिवस

–स्वामी जी के ष्टिकोण को आगे बढ़ा रहा अभाविप: नीति

मथुरा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मथुरा महानगर के तत्वावधान में रविवार को स्वामी विवेकानंद जी की जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में विचार गोष्ठी का आयोजन सर्वेश्वरी सदन में किया गया। मुख्य वक्ता एवं अभाविप केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य नीति शर्मा ने कहा कि स्वामी जी ने राष्ट्र के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया, उन्होंने युवाओं से आव्हान किया कि वे स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को आत्मसात करते हुए राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाएं। उन्होंने

कहा कि अभाविप स्वामी जी के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महानगर कार्यवाह विजय बंटा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को स्वामी विवेकानंद जी के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए, स्वामी जी ने समूचे विश्व में सनातन संस्कृति का परचम लहराया था। उन्होंने कार्यकर्ताओं के समक्ष स्वामी विवेकानंद के जीवन का लघु परिचय रखा एवं उनके जीवन के गुणों को अपने जीवन में धारण करने का संकल्प दिलाया। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी के चित्रपट के सम्मुख अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से पुष्प अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम में विभाग संगठन मंत्री दिव्यांशु पचौरी, निशा निषाद, मंजीत ठाकुर, तेजस्वी बारोलिया, तान्या बारोलिया, अमन शर्मा, शिवा गौतम, सर्वेंद्र, कुशपाल, देवेश मिश्रा, इंद्र सैनी, चंद्रशेखर, राहुल गौतम, वंशिता, छवि, तुषार, शिव चौहान, ललित शर्मा, गोविंद चौधरी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अभाविप महानगर उपाध्यक्ष जितेंद्र चौधरी एवं संचालन महानगर सहमंत्री अमन पांडे ने किया।

ज्योतिर्मठ शङ्कराचार्य ने किया परमधर्मसंसद् का उद्घाटन

जो गौहत्या से किसी भी रूप से जुडे हैं वे हिन्दू नहीं

–परमाराध्य स्वामिश्रीः अविमुक्तेश्वरानन्दः जी

प्रयागराज। परम धर्म संसद् 1008 में दिनांक 10 जनवरी 2025 को निम्नानुसार प्रस्ताव प्रस्तुत होकर पारित किए गएः–

1 धर्म संसद के समक्ष प्रस्ताव यह प्रस्तुत हुआ कि संपूर्ण मेला क्षेत्र में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नालियों के पास असम्मानजनक तरीके से रखे गए चित्र उन्हें हटाकर सम्मानजनक तरीके से रखा जाए।

इस पर विचारोपरांत यह प्रस्ताव पारित किया गया कि देश के प्रधानमंत्री व प्रदेश के मुख्यमंत्री की गरिमा के अनुकुल इन्हें तुरंत हटाया जाकर सम्मानजनक स्थान दिया जाए।

2 प्रस्ताव धर्मसंसद के सम्मुख यह प्रस्तुत हुआ कि देश के पहले राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद जी ने वर्ष 1954 में इसी महाकुंभ मेले में एक माह का कल्पवास किया था तथा धर्मध्वज की स्थापना की थी वह वर्तमान मेले में स्थान परिवर्तित कर अन्यत्र स्थापित तत्कालीन अपमान है। यह धर्मध्वज एक राष्ट्रीय धरोवर के रूप में प्रतिष्ठापित था उस धरोहर में किसी प्रकार का परिवर्तन उचित नहीं है अतः प्रस्ताव पारित किया गया है कि धर्मध्वज की गरिमा को देखते हुए धर्मध्वज यथास्थान प्रतिष्ठापित किया जाए।

3 प्रस्ताव धर्मसंसद के समक्ष यह प्रस्तुत हुआ कि मेला क्षेत्र प्रवाहित त्रिवेणी संगम में दूषित जल होने की शिकायतें आ रही हैं और चूंकि मेले में संत महात्मा एवं श्रद्धालुजन शाही पर्व स्नान के अवसर पर एवं सामान्य तिथियों में भी आस्था की डुबकी लगाते हैं। ऐसी स्थिति में त्रिवेणी संगम का जल स्नान योग्य है या नहीं उसकी तत्काल जांच कराई जाकर यथायोग्य कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। यह प्रस्ताव पारित किया गया।

4 यह प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है कि मेला प्रारंभ होने की दिनांक 13 जनवरी है और मेले की सारी व्यवस्थाएं बहुत धीमी गति से चल रही हैं। व्यवस्थाएं यथा समय होने पर ही मेले की महत्ता एवं गरिमा स्थापित हो सकेगी तथा मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को भी असुविधाजनक स्थिति का सामना नहीं करना पड़ेगा अतः प्रस्ताव पारित किया गया है कि मेले की व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन हेतु स्थापना कार्य में तेजी लाई जाए।

5 यह प्रस्तुत किया गया कि विभिन्न स्थानों पर लगे हुए विभिन्न बोर्ड एवं होर्डिंग में कुंभ मेले का वर्ष इस्वी सन 2025 उल्लेख किया गया है, उसके स्थान पर हिन्दी विक्रम संवत 2081 किया जाना चाहिए। चूंकि मेले का शुभारंभ, पर्व स्नान की तिथियां एवं अन्य सभी आयोजन हिन्दी विक्रम संवत के आधार पर ही निर्धारित होकर संचालित होते हैं अतः यह प्रस्ताव पारित किया गया है कि महाकुंभ वर्ष 2025 के स्थान पर महाकुंभ विक्रमी संवत 2081 का उल्लेख विभिन्न बोर्ड एवं होर्डिंग तथा शासकीय पत्राचार में किया जाए।

उक्त पांचों प्रस्ताव सर्वसम्मति से धर्मसंसद में पारित कर निर्देशित किया गया कि उन्हें मेला अधिकारी को भेजकर उनका पालन सुनिश्चित कराया जाए।

संसद् का उद्घाटन ध्वजारोहण से हुआ।

अग्नि अखाडा के सभापति श्री मुक्तानन्द जी महाराज एवं राष्ट्रीय महासचिव सोमेश्वरानंद जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर सत्र का उद्घाटन किया। राजगढ के धर्मांसद् मनोहर लाल जायसवाल जी की आकस्मिक मृत्यु पर शोक प्रस्ताव पारित किया गया और समस्त संसद् ने 3 बार शान्ति मन्त्र का उद्घोष करते हुए श्रद्धाञ्जलि समर्पित किया। सुश्री गार्गी पण्डित जी, कृष्ण गोपाल पाठक जी, विकास पाटनी जी, बाबूलाल जांगीड जी, महेन्द्र भार्गव जी, सुभाष मल्होत्रा जी, मालचन्द्र जी आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रकर धर्माधीश के रूप में गुजरात से पधारे श्री किशोर दवे जी उपस्थित रहे। संसदीय सचिव के रूप में डा उमाशंकर रघुवंशी जी और उपसचिव के रूप में देवेन्द्र पाण्डेय जी और स्वामी निजानन्द गिरि जी उपस्थित रहे। ज्ञातव्य हो कि यह परमधर्मसंसद् पूरे माघ मास पर्यन्त प्रतिदिन मध्यान्ह 12 से 3 बजे तक चलेगी और सनातन धर्म के विभिन्न विषयोंध्समस्याओं पर चर्चा होकर परमाराध्य शङ्कराचार्य जी महाराज द्वारा परम धर्मादेश जारी किया जाएगा।

एन यू जेकी बैठक संपन्न

प्रतापगढ़ । नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (एनयूजे) के जिला कार्यकारिणी की एक बैठक जिलाध्यक्ष अखिल नारायण सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई । बैठक का संचालन महामंत्री डॉ. अमित कुमार पाण्डेय ने किया । एनयूजे सदस्य बबलू राय के बराछा स्थित आवास पर हुई इस बैठक में एनयूजे के प्रांतीय महामंत्री संतोष भगवन भी शामिल रहे । बैठक में महामंत्री डॉ.

अमित कुमार पाण्डेय ने जिला प्रशासन द्वारा जिला सूचना कार्यालय मुख्यालय से अन्यत्र स्थापित किए जाने सम्बन्धी जानकारी को सदन में रखा तो सदस्यों ने इस पर रोष व्यक्त किया । प्रांतीय महामंत्री संतोष भगवन ने कहा कि जिला सूचना कार्यालय मुख्यालय पर ही होना चाहिए । इसे कलेक्टर ऑफिस के इर्द–गिर्द ही स्थापित होना चाहिए । यदि इसे शहर मुख्यालय से दूर ले जाया गया तो जिले के पत्रकार इसका विरोध करेंगे । उन्होंने कहा कि मुख्यालय छोड़कर जो भी कार्यालय या सरकारी भवन आउटसाइड स्थापित हुए, उनकी उपयोगिता शून्य ही रही । जिले के कोहड़ा में स्थापित अतिथि गृह व गायघाट रोड स्थित ट्रामा सेंटर इसका जीता जागता उदाहरण है । बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जल्द ही एनयूजे का एक प्रतिनिधि मण्डल जिलाधिकारी से मिलकर, जिला सूचना कार्यालय को कलेक्टर ऑफिस के इर्द–गिर्द स्थापित कराए जाने के लिए ज्ञापन देगा । जिलाधिकारी के अलावा सूचना सचिव, सूचना आयुक्त तथा मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर, जिला सूचना कार्यालय को मुख्यालय पर ही स्थापित किए जाने की मांग करेगा । बैठक में आगामी नई कार्यकारिणी के लिए सदस्यता अभियान पर चर्चा की गई । सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि फरवरी माह तक संगठन की सदस्यता ली जा सकती है । संगठन की सदस्यता लेने के इच्छुक पत्रकार साथी 500ध– वार्षिक सदस्यता शुल्क जमाकर, सदस्यता शुल्क की रसीद कोषाध्यक्ष अमित शुक्ला से प्राप्त कर सकते हैं । तय किया गया कि निर्धारित समय सीमा बीत जाने के बाद किसी भी दशा में, किसी को भी संगठन की सदस्यता नहीं दी जाएगी । बैठक में सत्र 2025–26 की नई कार्यकारिणी के लिए कुल 17 सदस्यों ने, सदस्यता शुल्क जमाकर अपनी सदस्यता ग्रहण की । बैठक में तय किया गया कि एनयूजे की अगली बैठक फरवरी माह में होगी । जिसकी सूचना सदस्यों को ससमय दे दी जाएगी । बैठक के अंत में शविजय अग्रलेखश व श्होमियो रेमेडीजश के संपादक डा. वी. के. सिंह के असमायिक निधन पर, दो मिनट का मौन रखकर श्रदांजलि दी गई । बैठक में प्रमुख रूप से संगठन मंत्री बृजेन्द्र सिंह बबलू, कृष्ण कुमार पाण्डेय, ताज मोहम्मद, अनिल कुमार पाण्डेय, दोस्त मोहम्मद, संतोष कुमार पाण्डेय, सूर्य नारायण सिंह, अरुण श्रीवास्तव, अनुज सिंह, रविन्द्र कुमार जायसवाल, पंकज केसरवानी, रफीक मोहम्मद, ज्वाला सिंह, वेदव्यास त्रिपाठी, ओपी गुप्ता, भूपेंद्र प्रताप सिंह, जैनेंद्र कुमार मिश्र, वेद प्रकाश श्रीवास्तव, सुनील कुमार राय व पवन कुमार राय मौजूद रहे ।

मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा 13 जनवरी से 26 फरवरी तक

शास्त्रीय-उपशास्त्रीय, लोक-जनजातीय, भक्ति संगीत एवं आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी का मनोहारी आयोजन

प्रयागराज,। पवित्र महाकुम्भ के अवसर पर मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा 13 जनवरी से 28 फरवरी तक संगम की रेती पर प्रदेश के चारों अंचलों निमाड, मालवा, बुन्देलखण्ड व बघेलखण्ड के सांस्कृतिक लोक वैभव व संस्कृति को समर्पित मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन महाकुम्भ मेला के सेक्टर–7 स्थित पण्डाल में किया जा रहा है। प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से रात्रि 10 बजे तक चलाने वाले इस सांस्कृतिक यज्ञ में शास्त्रीय उपशास्त्रीय गायन–वादन के साथ–साथ लोक एवं जनजातीय संस्कृतिक गौरव को दर्शाने वाले लोकरंजक लोकगीतों, नृत्यों, लीला नाट्य के साथ–साथ भारत के आध्यात्मिक वैभव को प्रदर्शित करने वाली बहुआयामी चित्र प्रदर्शनियाँ आकर्षण का केन्द्र होगी। मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग की विज्ञप्ति के अनुसार 13 जनवरी को सायं 6 बजे से श्भक्ति शबरी पर आधारित लीला नाट्य प्रस्तुति ग्वालियर की सुश्री गींताजलि गिरवाल के निर्देशन में होगी। 14, 15 जनवरी को भोपाल की सुश्री संगीता गोस्वामी का भक्ति संगीत, भिण्ड के ज्ञान सिंह शाक्य एवं दल का लांगुरिया गायन, डिण्डौरी के मायाराम धुर्वे एवं दल का प्रसिद्ध जनजातीय गुदुमबाजा नृत्य, उज्जैन की सुश्री पल्लवी किशन दल का मटकी नृत्य एवं भक्तिगीत शबरी पर आधारित लीला नाट्य का प्रदर्शन होगा। 16 से 18 जनवरी तक सागर के जयन्त विश्वकर्मा एवं दल का आल्हा गायन, सागर के राजकुमार रैकवार एवं दल का अखाडा, धार के मनीष सिसौदिया एवं दल का प्रसिद्ध भील जनजातीय नृत्य श्भगौरिया, उज्जैन के विशाल सिंह कुशवाहा एवं दल का श्म०प्र० के तालवाद्य कचहरी एवं ग्वालियर के हिमांशु द्विवेदी द्वारा शनिषादराज गुह्य पर आधारित श्लीलानाट्यश प्रस्तुति होगी। 19 से 21 जनवरी तक भोपाल का कीर्ति दूबे का भक्ति गायन, नर्मदापुरम् की ममता मिश्रा का बघेली भजन, सागर के अरविन्द यादव का नौरता नृत्य, डिण्डौरी के प्रताप सिंह धुर्वे एवं दल का सैला नृत्य, रींवा के अंकित कुमार मिश्र का श्हनुमानलीला नाट्य की प्रस्तुति होगी। 22 से 24 जनवरी तक बृजभान सिंह नरवरिया द्वारा बुन्देली भजन, बालाघाट के बैगा जनजाति का घोड़ा पैठाई नृत्यु, सागर का बरेदी नृत्य, भोपाल की श्रुति अधिकारी एवं दल का उपशास्त्रीय संगीत पंचनाद तथा उज्जैन की प्रतिमा रघुवंशी द्वारा मालवी कथक नृत्यु शैली में शिप्रा नृत्य की प्रस्तुति होगी। 25 से 27 जनवरी भोपाल की सुलेखाभट्ट का भक्ति संगीत, बुन्देली भक्ति संगीत, भारिया जनजाति का भड़न नृत्य, हरदा का काठी नृत्य एवं भोपाल की क्षमा मालवीय एवं दल द्वारा श्कथक समूह नृत्य का प्रदर्शन न होगा। 28 से 30 जनवरी, 2025 भक्ति गायन (बुन्देली), गणगौर नृत्य, गोण्ड जनजाति–ठाठ्या नृत्य, कथक समूह नृत्य, सती लीला–नाट्य की प्रस्तुतियों होगी। 31 जनवरी से 02 फरवरी, 2025 तक भक्ति गायन, मालवी गायन, मलखम्भ, कोरकू जनजाति का थापटी नृत्य और गुरूदक्षिणा लीला नाट्य प्रस्तुति होगी। 03 से 05 फरवरी, 2025 तक उप शास्त्रीय भक्ति गायन, मालवी भक्ति संगीत, बैगा जनजाति का करमा ध परधौनी नृत्य, भोजदेव नाट्य नृत्य एवं कृष्णायन नाट्य नृत्य एवं मटकी नृत्य की प्रस्तुतियाँ होगी। मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा महाकुम्भ के अवसर पर तीर्थराज प्रयागराज में आने वाले देशी एवं विदेशी श्रद्धालुओं के लिए भारतवर्ष के आध्यात्मिक एवं धार्मिक वैभव को दर्शाने वाली विशिष्ट चित्र प्रदर्शनियों का प्रदर्शन 13 से 19 जनवरी, 2025– प्रभु श्रीराम के 36 गुणों पर आधारित प्रदर्शनी, 20 से 26 जनवरी, 2025– आर्ष भारत भारतीय ऋषि वैज्ञानिक, 27 से 02 फरवरी, 2025– देवी शक्ति के 108 नाम रहस्यों पर आधारित, 03 से 08 फरवरी, 2025– विक्रमादित्य और अयोध्या, 09 से 14 फरवरी, 2025 गौ और गोपाल श्रीकृष्ण के चरित आधारित, 15 से 20 फरवरी, 2025– वृहत्तर भारत का सांस्कृतिक वैभव एवं 21 से 26 फरवरी, 2025 महादेव उज्जैन स्थित शिव के 84 स्वरूप आधारित होंगे। 06 से 08 फरवरी, 2025 तक (उप शास्त्रीय) भक्ति गायन, निमाड़ी भक्ति संगीत, कोरकू जनजाति का गदली नृत्य, ढिमरियाई नृत्य, कृष्णायन एवं विक्रमादित्य नृत्य–नाट्यों की प्रस्तुतियाँ। 09 से 11 फरवरी, 2025 तक (उप शास्त्रीय) भक्ति गायन, बघेली भक्ति गायन, भील जनजाति का डण्डा नृत्य, बधाई नृत्य, नमःरामायण नृत्य नाटिका एवं श्री चन्द्रमाधव बारीक का नमामि देवि नर्मदे की प्रस्तुतियाँ होगी। इसी तरह 12 से 26 फरवरी, 2025 तक मध्य प्रदेश के लोक एवं जनजातीय गायन–वादन एवं नृत्य के साथ–साथ मध्य प्रदेश के चारों अंचलों के सांस्कृतिक वैभव को प्रदर्शित करने वाले कार्यक्रम महाकुम्भ मेले का विशेष आकर्षण होगा।

कोसीकला में 4.80 करोड़ के विकास कार्यों को शासन की मंजूरी

–विकास कार्यों में मल्टीलेवल कार पार्किंग का निर्माण भी शामिल

मथुरा। मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के तहत नगर पालिका परिषद नगर में जाम से मुक्ति के लिए मल्टीलेवल कार पार्किंग का निर्माण कराएगी। इसके अलावा बरातघर, ओपन जिम और बिटिया पार्क निर्माण के लिए 4.80 करोड़ रूपये की मंजूरी दे दी है। पालिका प्रशासन कार्यों के लिए डीपीआर तैयार करने में जुट गया है। हाल ही में शासन स्तर से योजना के तहत पांच करोड़ रूपये के विकास कार्यों से संबंधित प्रस्ताव मांगे गए। नगर पालिका प्रशासन ने पिछले माह पांच करोड़ के प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजे थे। योजना के तहत नगर को विकसित करने के गांधी चिकित्सालय में 2 करोड़ 80 लाख रुपये से मल्टीनेशनल कार पार्किंग बनने से नगर में लगने वाले जाम से भी मुक्ति मिलेगी। गोपाल नगर सार्वजनिक बरात घर के निर्माण पर एक करोड़ 50 लाख, गांधी पार्क में ओपन जिम और विटिया पार्क पर 20 लाख, शालीमार रोड और नंदगांव रोड को जोड़ने वाले 30 फुटा रोड को 45 लाख रुपये की लागत से आरसीसी और नालों का निर्माण किया जाएगा। जिससे कि यहां होने वाली जलभराव और गंदगी से स्थानीय लोगों सहित यहां से गुजरने वाले लोगां को समस्या से निजात मिल सकेगी। नगर पालिका चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के तहत 4.80 करोड़ रुपये के प्रस्तावों पर शासन ने मुहर लगा दी है। इन प्रस्तावों की डीपीआर तैयार करानी शुरू कर दी है। जल्द ही टेंडर प्रकिया शुरू करा दी जाएगी।

उपज के पदाधिकारी को मिले प्रमाण पत्र

मथुरा। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट (उपज) की बैठक सोमवार को तहसील महावन परिसर में आयोजित की गई जिसमें संगठन के विस्तार को लेकर तथा पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं को लेकर विशेष चर्चा हुई। चर्चा के दौरान उपज के जिला

अध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल ने पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। उपज के जिला महासचिव ठाकुर विष्णु पहलवान, जिला कोषाध्यक्ष विपिन अग्रवाल,संगठन मंत्री राजकुमार गुप्ता, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष विजय कुमार सिंघल,महानगर अध्यक्ष मोइनुद्दीन,महानगर उपाध्यक्ष फैसल कुरैशी,महानगर सचिव उमाशंकर शर्मा, जिला उपाध्यक्ष साहूकार शर्मा, जिला उपाध्यक्ष बीरेंद्र सिंह छौंकर, धीरज पचौरी जिला उपाध्यक्ष , लक्ष्मी शर्मा,चेतन राघव जिला उपाध्यक्ष, महानगर उपाध्यक्ष गणेश कुमार,जिला कार्यकारिणी सदस्य टाइम्सलर, जिला कार्यकारिणी सदस्य राजू आदि मौजूद रहे।

'वीरेंद्र मिश्र को लखनऊ , दुर्गा राय को आजमगढ़, राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय को यमुनापार प्रयागराज और श्याम ष्ण शुक्ल को गंगापार प्रयागराज का जिलाध्यक्ष बनाया गया'

प्रयागराज । भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की विभिन्न जिला इकाइयों में पदाधिकारियों के चयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है द्य इस क्रम में लखनऊ कैंट न्यूज 24 के संपादक वीरेंद्र मिश्र को लखनऊ का जिला अध्यक्ष बनाया गया है और हिंदी दैनिक जनमोर्चा से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार दुर्गा राय को आजमगढ़ जिले का दायित्व दिया गया है द्य इसी प्रकार यमुनापार प्रयागराज का जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद पांडेय को बनाया गया है और गंगापार प्रयागराज का जिला अध्यक्ष श्याम कृष्णा शुक्ला को बनाया गया है द्य कौशाम्बी में हिमांचल मौर्य तथा प्रतापगढ़ में चन्द्रशेखर त्रिपाठी को पुनः जिलाध्यक्ष के लिए चयनित किया गया है द्य अयोध्या में सूर्यकुमार मिश्र , बलिया में राणा प्रताप सिंह , सोनभद्र में महेश कुमार पाण्डेय को एक बार फिर उनके जिले का दायित्व दिया गया है द्य शेष जिला इकाइयों में चयन ध पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है जिनको अति शीघ्र घोषित कर दिया जाएगा द्य राष्ट्रीय ध प्रान्तीय ध मण्डल के साथ साथ प्रकोष्ठ प्रभारी और जिले के शेष दायित्व जल्द ही घोषित किये जाएंगे ।

जोधपुर झाल में प्रवास कर रहीं जलीय पक्षियों 62 प्रजातियां

–पांच साल की गणना में इस बार सर्वाधिक 62 प्रजातियां हुई रिकार्ड, संकटग्रस्त 9 प्रजातियों भी शामिल

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद और वन विभाग की निरंतर निगरानी और सुरक्षा के कारण प्रवासी पक्षियों पर संकट कम होने से इनकी आवक बढ़ गई है। पक्षी विशेषज्ञ डॉ के पी सिंह ने बताया कि जोधपुर झाल वेटलैंड पर उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा नमभूमि के क्षेत्रफल को नये जलीय हेविटाट बनाकर विस्तारित किया गया है। इसके परिणाम स्वरूप वेटलैंड पर निर्भर प्रजातियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है।

मथुरा। आगरा मथुरा जनपद की सीमा स्थित जोधपुर झाल वेटलैंड पर एशियन वाटरबर्ड सेंसस 2025 के अंतर्गत जलीय पक्षियों की गणना की गई। इस दौरान 1335 जलीय पक्षी रिकार्ड किए गए हैं, जो 62 प्रजातियों से जुड़े हैं। इसमें संकटग्रस्त 9 प्रजातियां भी शामिल हैं। शनिवर को जोधपुर झाल पर एशियन वाटरबर्ड सेंसस 2025 के अंतर्गत जलीय पक्षियों गणना की गई। इस में 2 समूहों के 8 विशेषज्ञ सदस्यों ने 3 घंटे में लगभग 80 हेक्टेयर क्षेत्रफल में गणना का कार्य किया। वेटलैंड्स इंटरनेशनल के इस गणना कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, वन विभाग और बायोडायवर्सिटी रिसर्च एंड डवलपमेंट सोसाइटी का सहयोग रहा। वेटलैंड इन्टरनेशनल के उत्तर प्रदेश कॉर्डिनेटर नीरज श्रीवास्तव के निर्देश एवं बीआरडीएस के पक्षी विशेषज्ञ डॉ केपी सिंह के नेतृत्व में निधि यादव, शम्मी सईद, अनुज यादव, अनुज परिहार, सुनीता, आकांक्षा, शिवेंद्र प्रताप, नीलेश यादव, छवि छोंकर श्याम सिंह, अजीत गौतम के सहयोग से गणना हुई।

जलीय पक्षियों की गणना में 62 प्रजातियों की पहचान की गई है, जिनमें 29 प्रवासी व 33 स्थानीय प्रजातियां रिकार्ड की गई। इनमें जोधपुर झाल वेटलैंड पर आईयूसीएन की संकटग्रस्त सूची में शामिल 9 प्रजातिया रिकार्ड हुई। इनमें सारस क्रेन, ब्लैक नेक्ड स्टार्क, पेन्टेड स्टार्क, ओरिएंटल डार्टर, कॉमन पोचार्ड, बूली नेक्ड स्टॉर्क, ब्लैक टेल्ड गोडविट, ग्रेटर स्पॉटेड ईगल और ब्लैक हेडेड आईबिश शामिल है। सर्वाधिक मिले बार हेडेड गूज, कॉमन टील व नोर्दन पिनटेल

जोधपुर झाल पर पर बार हेडेड गूज 370, नोर्दन पिनटेल 224 व कॉमन टील 220 के अतिरिक्त गेडवाल, यूरेशियन विजन, नोर्दन शोवलर , पाइड एवोसेट, लिटिल स्टिंट, टैमिनिक स्टिंट, सेन्डपाइपर, वेगटेल, ब्लैक–विंग स्टिल्ट, पर्पल स्वैम्प हैन, कॉमन स्नाइप आदि रिकार्ड किए गए

होमगार्ड विभाग के डिवीजनल कमांडेंट, श्रम विभाग के डिप्टी कमिश्नर का भव्य सम्मान

दोनों अधिकारियों ने निर्माणाधीन महाराणा प्रताप सेवा सदन का लिया जायजा

मथुरा । होमगार्ड विभाग डिवीजनल कमांडेंट अलीगढ़ राजेश कुमार सिंह डिप्टी कमिश्नर शेर सिंह पूरे अमले के साथ जीएलए यूनिवर्सिटी के पीछे सामलिया फार्म पर पहुंचे। यहां दोनों अधिकारियों का सामलिया ग्रुप के चेयरमैन ठाकुर यशवीर सिंह

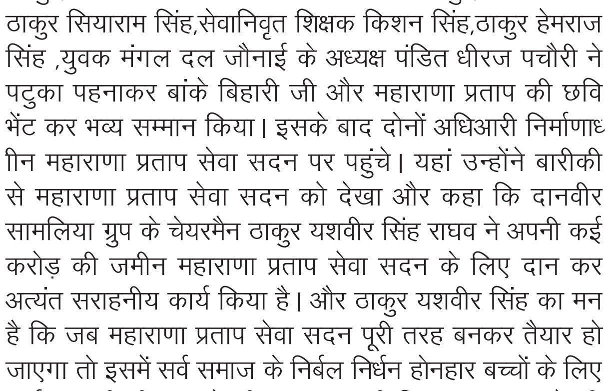

राघव,उपज पत्रकार संगठन मथुरा के जिला महासचिव ठाकुर विष्णु पहलवान के नेतृत्व में समाज सेवी सोहन सिंह उर्फ सोनू ठाकुर,करणी सेना के जिलाध्यक्ष कन्हैया ठाकुर, क्षत्रिय नेता ठाकुर सियाराम सिंह,सेवानिवृत शिक्षक किशन सिंह,ठाकुर हेमराज सिंह ,युवक मंगल दल जौनाई के अध्यक्ष पंडित धीरज पचौरी ने पटुका पहनाकर बांके बिहारी जी और महाराणा प्रताप की छवि भेंट कर भव्य सम्मान किया। इसके बाद दोनों अधिआरी निर्माणाधीन महाराणा प्रताप सेवा सदन पर पहुंचे। यहां उन्होंने बारीकी से महाराणा प्रताप सेवा सदन को देखा और कहा कि दानवीर सामलिया ग्रुप के चेयरमैन ठाकुर यशवीर सिंह राघव ने अपनी कई करोड़ की जमीन महाराणा प्रताप सेवा सदन के लिए दान कर अत्यंत सराहनीय कार्य किया है। और ठाकुर यशवीर सिंह का मन है कि जब महाराणा प्रताप सेवा सदन पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएगा तो इसमें सर्व समाज के निर्बल निर्धन होनहार बच्चों के लिए आईएएस, पी सीएस एकेडमी का शुभारंभ भी किया जाएगा। एकेडमी में अनुभवी शिक्षकों के जरिए निशुल्क शिक्षा भी दिलवाई जाएगी । ऐसा दानवीर प्रेरणा श्रोत है अन्य समाज सेवियों को भी उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। दोनों अधिकारियों ने कहा कि उनके स्तर से जो भी सहयोग बनेगा वह भी समर्पित भाव से करेंगे। समाज सेवी सोहन सिंह उर्फ सोनू ठाकुर ने निर्माणाधीन महाराणा प्रताप सेवा सदन के लिए पांच लाख 51 हजार रुपए देने की घोषणा की।

प्रथम स्नान पर्व पौष पूर्णिमा पर संगम पर आस्था का महासंगम, हर-हर गंगे के जयकारों से गूंजीं दिशाएं

प्रयागराज। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम तट पर श्रद्धालुओं का अद्भुत नजारा देखने को मिला। महाकुंभ के पहले स्नान पर्व पौष पूर्णिमा के पावन अवसर पर महाकुंभ में पहले स्नान पर्व पर देशभर से आए श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। आधी रात से ही श्रद्धालु और कल्पवासी संगम तट पर जुटने लगे थे। हर–हर गंगे और जय श्रीराम के गगनभेदी जयकारों से पूरा मेला क्षेत्र गूंज उठा। कैबिनेट मंत्री एके शर्मा ने महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं का माला पहनाकर स्वागत किया। बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं तड़के से ही संगम स्नान के लिए पहुंचने लगे। आस्था का ऐसा आलम था कि सिर पर गठरी का वजन भी उनके उत्साह को कम नहीं कर सका। संगम नोज, एरावत घाट और वीआईपी घाट समेत समस्त घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालु स्नान करते नजर आए। युवाओं ने इस पावन क्षण को कैमरे में कैद किया और सोशल मीडिया पर साझा किया। इस बार युवाओं में सनातन संस्कृति और आध्यात्मिकता के प्रति खासा उत्साह देखने को मिला। संगम स्नान और दान–पुण्य में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम तट पर पूजा–अर्चना और दान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मेला क्षेत्र में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं।

सम्पादकीय........

किसानों के प्रति दरियादिली दिखानी होगी

हरियाणा–पंजाब की शंभू सीमा पर प्रर्दशन कर रहे एक किसान रेशम सिंह ने आत्म हत्या कर ली। 4 दिसंबर 2023 को नेशनल क्राइम रिकार्ड्स ब्यूरो द्वारा जारी किये गए आँकड़ों के अनुसार साल 2022 में 11290 किसानों ने आत्महत्या की. किसानों की आत्महत्या के ये आंकड़े काफी हैरानी भरे हैं। लगभग यही हाल 24 में भी रहा। यह किसानों की आत्महत्या का एक बड़ा कारण है। इसी असंतोष के चलते 2020 में किसानों ने राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू कर दिया। प्रधानमंत्री ने तीनों कृषि कानूनों को निरस्त करने के साथ किसानों की मांगों पर सहमति बनाने के लिए एक कमेटी बनाने की बात कही।कई दौर की मीटिंग के बाद भी आज तक उस कमेटी की रिपोर्ट का अता–पता नहीं है। अलबत्ता सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित पांच सदस्यीय कमेटी के कुछ निष्कर्ष अवश्य प्रकाश में आए हैं, जिसके अनुसार किसानों की लागत और कृषि हेतु लिए गए कर्ज का बोझ बढ़ रहा है।समिति ने उन्हें इस संकट से मुक्ति दिलाने के लिए एमएसपी को कानूनी मान्यता सहित 11 मुद्दे चिह्नित किए हैं। हाल में कृषि उत्पादकता में गिरावट, बढ़ती कृषि लागत, अपर्याप्त मार्केटिंग सिस्टम और सिकुड़ते कृषि रोजगार से कृषि आय में गिरावट आई है।घटता जलस्तर, बार–बार सूखा पड़ना, कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा का पैटर्न, भीषण गर्मी आदि जलवायु आपदाएं भी कृषि एवं खाद्य सुरक्षा को प्रभावित कर रही हैं। किसान अपनी आजीविका को बनाए रखने से संबंधित चुनौतियों से जूझ रहे हैं।इसी आर्थिक असुरक्षा के चलते पंजाब के किसान संगठनों ने स्वामीनाथन फार्मूले के अनुसार सभी फसलों पर एमएसपी के कानूनी अधिकार की मांग की है। उनका कहना है कि उन्हें बाजार की ताकतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। देश के किसी ना किसी राज्य या फिर केन्द्र सरकार के खिलाफ दिल्ली तक होने वाले किसान आन्दोलन इस बॉत का प्रमाण है कि सरकार एवं सरकारे किसानों के प्रति न्याय नही कर पा रही है। ऐसे में केन्द्र और राज्य सरकार को मिलकर किसानों के प्रति दरियादिली दिखानी चाहिए। कृषि प्रधान देश भारत में आजादी के 77 साल बाद भी किसानों की समस्याएं दूर नहीं की जा सकी हैं। किसान अपने आप को आर्थिक रूप से सबसे कमजोर मान रहा है। समाज के हर वर्ग की आय साल–दर–साल बढ़ रही है लेकिन किसान कर्ज के जंजाल से बाहर नहीं निकल पा रहा है। किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य अभी कई चुनौतियों के बीच संघर्ष कर रहा है। भारत के अधिकांश किसान अब अपने बच्चों को खेती की जिम्मेदारी नहीं सौंपना चाहते हैं। भारतीय कृषि व्यवस्था में अपनी पूरी जिंदगी खपाने वाले किसान आज खेती को घाटे का सौदा बताते हैं। आखिर क्या कारण है कि तमाम प्रयासों के बावजूद कृषि क्षेत्र की समस्याओं का समाधान सरकार नहीं कर पाई है। इस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है।बड़ी विडंबना का विषय है कि किसानों का आंदोलन लंबे समय से जारी है। लेकिन सरकार कोई भी ऐसा ठोस कदम उठाने के प्रति उदासीन दिख रही है। क्या यह साफतौर पर सरकार के भीतर राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव को प्रदर्शित नहीं करता कि वह किसानों की मांग को लेकर इस हद तक अगंभीर दिख रही है कि आंदोलन के एक नेता की सेहत दिनोंदिन बिगड़ती जा रही है, उनके जीवन पर खतरा बढ़ता जा रहा है और वह हल के लिए सहमति बनाने के बजाय समस्या की अनदेखी करने में लगी है। सवाल है कि आखिर किन वजहों से वह फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर कानूनी गारंटी पर स्थिति स्पष्ट नहीं करना चाहती है और उसका यह रुख किसके हित में है। गौरतलब है कि एक ओर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल पिछले लम्बे अरसे से अनशन पर हैं और उनकी हालत लगातार नाजुक बनी हुई है, दूसरी ओर, इसी मसले पर सरकार द्वारा मांगे नहीं मानने की वजह से बीते तीन हफ्ते के भीतर दो किसानों ने आत्महत्या कर ली।किसानों की आय चार गुना बढ़ाने का दावा करने के बीच यह समझना मुश्किल है कि एक लोकतांत्रिक सरकार इस हद तक उदासीन कैसे हो सकती है कि अपनी समस्याओं की अनदेखी किए जाने की वजह से किसानों के जान देने की खबरें आ रही है। डल्लेवाल के अनशन और उनकी सेहत को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी चिंता जाहिर कर चुका है। मगर इसके बावजूद सरकार कोई ऐसी राह तलाशने को लेकर उत्सुक नहीं दिख रही है, जिससे किसान आंदोलन की मांगों पर सभी पक्षों के बीच कोई सहमति कायम हो सके और डल्लेवाल अपना अनशन फिलहाल खत्म करें। अगर सरकार फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित किए जाने के मसले पर ईमानदार है तो वह इस संबंध में कानूनी गारंटी का प्रावधान करने से क्यों हिचक रही है ? जबकि खुद एक संसदीय समिति भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी देने की वकालत कर चुकी है।पिछली बार किसानों के कई महीने चले आंदोलन के बाद सरकार को विवश होकर विवादित तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा करनी पड़ी थी। तब यह उम्मीद की गई थी कि सरकार किसानों के साथ मिल–बैठ कर इस समस्या पर सहमति के बिंदुओं की तलाश करेगी और कोई ठोस हल उभर कर सामने आएगा। मगर यह अफसोस की बात है कि किसानों को अब भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी के लिए लड़ाई लड़नी पड़ रही है और सरकार ने लगातार टालमटोल का रवैया अख्तियार किया हुआ है। सरकार और किसानों के बीच चल रही यह खींचतान की स्थिति अब एक नाजुक मोड़ पर पहुंच चुकी है। सरकार को चाहिए कि वह समय रहते इस समस्या के समाधान को लेकर कोई ठोस पहल करे। वास्तव में सरकार किसानों की आय चार गुना और भारत को फाईव ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था हासिल करनी है तो उसे किसानों के प्रति दरियादिली दिखानी होगी।

गीता में प्रबंध

डॉ. खुशबू राठी
रतलाम (म.प्र.)

श्रीमद्भागवद्गीता मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों एवं आध्यात्मिक जीवन जीने की कला का एक सर्वांगपूर्ण ग्रंथ है, जो कि मनःसंस्थान के संपूर्ण तंत्रों की व्याख्या करती है। वर्तमान समय में गीता की महत्ता अधिक हैय क्योंकि आज का मानव तनाव एवं आंतरिक द्वन्द्वों से उद्विग्न एवं अशांत है तथा यह अंतर्द्वन्द्व ही उसके समग्र मनोवैज्ञानिक जीवन की अपूर्णता का कारण है। अन्तःकरण की उत्कृष्टता ही व्यक्तित्व का वास्तविक मापदंड है। श्रीमद्भगवद्गीता की समग्र मनःचिकित्सा पद्धति मूलतः त्रिगुणात्मक (सत्व, रज, तम्) है। इस सिद्धांत के अनुसार शरीर, मन एवं आत्मा तीनों आयाम गुँथे हुए हैं। यदि रोग पनपता है तो वह भी इन तीनों स्तरों को प्रभावित करता है तथा इसका निदान एवं चिकित्सा भी इसी के अनुरूप होती है। गीता में कर्म, ज्ञान और भक्ति की पद्धतियाँ व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों (स्थूल, सूक्ष्म, कारण) का उपचार करती है। गीता दुविधाग्रस्त चित्त, सन्तापग्रस्त मन तथा खंड खंड टूटे हुए संकल्प को अखण्ड करने के लिए समाधान बताती हैं। प्रस्तुत आलेख में गीता में अन्तर्निहित यौगिक एवं मनोवैज्ञानिक गूढ़ रहस्यों व संकेतों का अनावरण कर प्रबंधन की तकनीकों को उजागर करने का प्रयास किया गया । वेदों का तत्व ज्ञान है उपनिषद और उपनिषदों का सार है गीता।गीता में जीवन की हर समस्याओं का समाधान है। भगवान श्रीकृष्ण ने कुरुक्षेत्र के मैदान में महाभारत युद्ध के दौरान अर्जुन को जो ज्ञान दिया था वह गीता के नाम से प्रसिद्ध हुआ। श्रीमद भागवत गीता दुनिया के उन ग्रंथों में सम्मिलित है, जो सबसे ज्यादा पढ़े जाते रहे है। जीवन के हर भाग को गीता से जोड़कर व्याख्या की जा रही है। इसके 18 अध्यायों के तकरीबन 700 श्लोकों में हर उस समस्या का समाधान है, जो कभी ना कभी हर इंसान के सामने आती है। गीता के चुनिंदा प्रबंधन सूत्रों की व्याख्या दृ

निष्काम कर्म करे

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतु र्भूर्मा ते संगोस्त्वकर्मणि ।। (अध्याय–2 श्लोक 47 श्रीमद्भगवद्गीता)

अर्थात– भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं, हे अर्जुन ! कर्म करने में तेरा अधिकार है। उसके फलों के विषय में मत सोच। इसलिए तू कर्मों के फल का हेतु मत हो और कर्म न करने के विषय में भी तू आग्रह न कर।

भगवान श्रीकृष्ण इस श्लोक के माध्यम से अर्जुन से कहते हैं कि मनुष्य को बिना फल की इच्छा से अपने कर्तव्यों का पालन पूरी निष्ठा व ईमानदारी से करना चाहिए। यदि कर्म करते समय फल की इच्छा मन में होगी तो आप पूर्ण निष्ठा से साथ वह कर्म नहीं कर पाओगे। निष्काम कर्म ही सर्वश्रेष्ठ परिणाम देता है। इसलिए बिना किसी फल की इच्छा से मन लगाकर अपना काम करते रहना चाहिए। फल देना, न देना व कितना देना ये सभी बातें परमेश्वर पर छोड़ देना चाहिए क्योंकि परमात्मा ही सभी का पालनकर्ता है।

न करे संशय :

अज्ञश्चश्रद्दधानश्च संशयात्मा विनश्यति ।
ायं लोकोऽस्ति न परो न सुखं संशयात्मनः /अ. 4–श्लोक40

भावार्थ + विवेकहीन और श्रद्धारहित संशययुक्त मनुष्य परमार्थ से अवश्य भ्रष्ट हो जाता है। ऐसे संशययुक्त मनुष्य के लिए न यह लोक है, न परलोक है और न सुख ही है। किसी पर संदेह करना उचित है लेकिन संशय का अर्थ होता है दुविधा। अनिर्णय की स्थिति। इससे व्यक्ति विवेकशून्य हो जाता है। निर्णय लेने की क्षमता कमजोर हो जाती है। कहावत भी है कि दुविधा में दोनों गए माया मिली न राम। अर्जुन को समझ में नहीं आ रहा था कि युद्ध लड़ूं या नहीं। हमारे जीवन का निर्माण हमारे निर्णय ही करते हैं। यदि बुद्धि संशय रहित होगी तो निर्णय सही होंगे या संशययुक्त होगी तो गलत।

योग/समता को प्राप्त करे

योगस्थरू कुरु कर्माणि संग त्यक्त्वा धनंजय।
सिद्धय–सिद्धयोः समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते।।अ. 2–श्लोक48

अर्थात– हे अर्जुन! कर्म न करने का विचार त्यागकर, यश–अपयश के विषय में समबुद्धि होकर योग युक्त होकर, कर्म कर, (क्योंकि) समत्व को ही योग कहते हैं।

धर्म का अर्थ होता है कर्तव्य। धर्म सिर्फ कर्मकांड, पूजा–पाठ, तीर्थ–मंदिरों तक सीमित नहीं हैं। हमारे ग्रंथों ने कर्तव्य को ही धर्म कहा है। भगवान कहते हैं कि अपने कर्तव्य को पूरा करने में कभी यश–अपयश और हानि–लाभ का विचार नहीं करना चाहिए। बुद्धि को सिर्फ अपने कर्तव्य यानी धर्म पर टिकाकर काम करना चाहिए। इससे परिणाम बेहतर मिलेंगे और मन में शांति का निवास होगा। मन में शांति होगी तभी परमात्मा से आपका योग आसानी से होगा। आज का युवा अपने कर्तव्यों में फायदे और नुकसान का नापतौल पहले करता है, फिर उस कर्तव्य को पूरा करने के बारे में विचार करता है। उस काम से तात्कालिक नुकसान देखने पर कई बार उसे टाल देते हैं और बाद में उससे ज्यादा हानि उठाते हैं।

आदर्श कर्म करे

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनरू।
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते।।अ. 3–21श्लोक

अर्थात– श्रेष्ठ पुरुष जैसा आचरण करते हैं, सामान्य पुरुष भी वैसा ही आचरण करने लगते हैं। श्रेष्ठ पुरुष जिस कर्म को करता है, उसी को आदर्श मानकर लोग उसका अनुसरण करते हैं।

यहां भगवान श्रीकृष्ण ने बताया है कि श्रेष्ठ पुरुष को सदैव अपने पद व गरिमा के अनुसार ही व्यवहार करना चाहिए, क्योंकि वह जिस प्रकार का व्यवहार करेगा, सामान्य मनुष्य भी उसी की नकल करेंगे। जो कार्य श्रेष्ठ पुरुष करेगा, सामान्यजन उसी को अपना आदर्श मानेंगे। उदाहरण के तौर पर अगर किसी संस्थान में उच्च अधिकार पूरी मेहनत और निष्ठा से काम करते हैं तो वहां के दूसरे कर्मचारी भी वैसे ही काम करेंगे, लेकिन अगर उच्च अधिकारी काम को टालने लगेंगे तो कर्मचारी उनसे भी ज्यादा आलसी हो जाएंगे।

निराशा का त्याग करेरू

यं हि न व्यथयन्त्येते पुरुषं पुरुषर्षभ ।
समदुःखसुखं धीरं सोऽमृतत्वाय कल्पते /अ. 2–14श्लोक

भावार्थ / हे पुरुषश्रेष्ठ! दुःख–सुख को समान समझने वाले जिस धीर पुरुष को ये इन्द्रिय और विषयों के संयोग व्याकुल नहीं करते, वह मोक्ष के योग्य होता है। संसार में सबकुछ आने जाने वाला और परिवर्तनशील है। सुख–दुरूख, हार–जीत, जीना–मरना आदि सभी कुछ चलता रहेगा यह सोचकर मन में कभी भी निराशा नहीं लाना चाहिए। निराशा, हताशा और उदासी व्यक्ति के जीवन को नष्ट कर देती है। जीवन में उतार चढ़ाव तो जीवन का स्वभाव है। इस उतार चढ़ाव को उत्साह से पार करें। उत्साह ही सफलता का राज है।

नियंत्रण हो मन पर :

नास्ति बुद्धिरयुक्तस्य न चायुक्तस्य भावना।
न चाभावयतरू शांतिरशांतस्य कुतरू सुखम्।अ. 2–66श्लोक

अर्थात– योग रहित पुरुष में निश्चय करने की बुद्धि नहीं होती और उसके मन में भावना भी नहीं होती। ऐसे भावना रहित पुरुष को शांति नहीं मिलती और जिसे शांति नहीं, उसे सुख कहां से मिलेगा। हर मनुष्य की इच्छा होती है कि उसे सुख प्राप्त हो, इसके लिए वह भटकता रहता है, लेकिन सुख का मूल तो उसके अपने मन में स्थित होता है। जिस मनुष्य का मन इंद्रियों यानी धन, वासना, आलस्य आदि में लिप्त है, उसके मन में भावना (आत्मज्ञान) नहीं होती। और जिस मनुष्य के मन में भावना नहीं होती, उसे किसी भी प्रकार से शांति नहीं मिलती और जिसके मन में शांति न हो, उसे सुख कहां से प्राप्त होगा। अतरू सुख प्राप्त करने के लिए मन पर नियंत्रण होना बहुत आवश्यक है।

अहंकार मुक्त बने

विहाय कामान् यरू कर्वान्पुमांश्चरति निस्पृहरू।
निर्ममो निरहंकार स शांतिमधिगच्छति।।अ. 2–71श्लोक

अर्थात– जो मनुष्य सभी इच्छाओं व कामनाओं को त्याग कर ममता रहित और अहंकार रहित होकर अपने कर्तव्यों का पालन करता है, उसे ही शांति प्राप्त होती है।

यहां भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि मन में किसी भी प्रकार की इच्छा व कामना को रखकर मनुष्य को शांति प्राप्त नहीं हो सकती। इसलिए शांति प्राप्त करने के लिए सबसे पहले मनुष्य को अपने मन से इच्छाओं को मिटाना होगा। हम जो भी कर्म करते हैं, उसके साथ अपने अपेक्षित परिणाम को साथ में चिपका देते हैं। अपनी पसंद के परिणाम की इच्छा हमें कमजोर कर देती है। वो ना हो तो व्यक्ति का मन और ज्यादा अशांत हो जाता है। मन से ममता अथवा अहंकार आदि भावों को मिटाकर तन्मयता से अपने कर्तव्यों का पालन करना होगा। तभी मनुष्य को शांति प्राप्त होगी।

लालच/लालसा :

त्रिविधं नरकस्येदं द्वारं नाशनमात्मनः।
कामः क्रोधस्तथा लोभस्तस्मादेतत्त्रयं त्यजेत्/ अ. 16–21

भावार्थ : काम, क्रोध तथा लोभ– ये तीन प्रकार के नरक के द्वार है,आत्मा का नाश करने वाले है।काम अर्थात किसी भी प्रकार की अनावश्यक भोग की इच्छा जिसमें संभोग भी शामिल है। क्रोध अर्थात गुस्सा, रोष, आवेश, तनाव, नाराजगी, द्वेष आदि प्रवृत्ति। लोभ अर्थात लालच, लालसा, तृष्णा आदि। बहुत से ज्योतिष, संत, कंपनियां या दूसरे धर्म के लोग लोगों को लालच में डालने के लिए प्रलोभन, गिफ्ट, इनाम आदि देते हैं। स्वर्ग, जन्नत का भी लालच दिया जाता है। लालच में फंसकर व्यक्ति अपने कुल का नाश कर लेता है और अपने साथियों को भी डूबो देता है।

निरंतर कर्म करते रहे

न हि कश्चित्क्षणमपि जातु तिष्ठत्यकर्मकृत्।
कार्यते ह्यशरू कर्म सर्व प्रकृतिजैर्गुणैरू।।अ.3–5श्लो

अर्थात– कोई भी मनुष्य क्षण भर भी कर्म किए बिना नहीं रह सकता। सभी प्राणी प्रकृति के अधीन हैं और प्रकृति अपने अनुसार हर प्राणी से कर्म करवाती है और उसके अनुसार परिणाम भी देती है।

बुरे परिणामों के भय से अगर ये सोच लें कि हम कुछ नहीं करेंगे तो ये हमारी मूर्खता है। खाली बैठे रहना भी एक तरह का कर्म ही है, जिसका फल स्वरुप आर्थिक हानि, अपयश और समय की हानि के रूप में मिलता है। समस्त प्राणी व प्रकृति परमात्मा के अधीन हैं, वो हमसे अपने अनुसार कर्म करवा ही लेगी और उसका परिणाम भी मिलेगा ही। इसलिए कभी भी कर्म के प्रति उदासीन नहीं होना चाहिए अपनी क्षमता और विवेक के आधार पर हमें निरंतर कर्म करते रहना चाहिए।

धर्म के अनुसार कर्म करे

नियतं कुरु कर्म त्वं कर्म ज्यायो ह्यकर्मणरू।
शरीरयात्रापि च ते न प्रसिद्धयेदकर्मणरू।।अ. 3–8श्लोक

अर्थात् तू शास्त्रों में बताए गए अपने धर्म के अनुसार कर्म कर, क्योंकि कर्म न करने की अपेक्षा कर्म करना श्रेष्ठ है तथा कर्म न करने से तेरा शरीर निर्वाह भी नहीं सिद्ध होगा।

श्रीकृष्ण अर्जुन के माध्यम से मनुष्यों को समझाते हैं कि हर मानव को अपने धर्म के अनुसार ही कर्म करना चाहिए जैसे– विद्यार्थी का धर्म है विद्या प्राप्त करना, सैनिक का कर्म है देश की रक्षा करना। जो लोग कर्म नहीं करते, उनसे श्रेष्ठ वे लोग होते हैं जो अपने धर्म के अनुसार कर्म करते हैं, क्योंकि बिना कर्म किए तो शरीर का पालन–पोषण करना भी संभव नहीं है। जिस व्यक्ति का जो कर्तव्य तय है, उसे वो पूर्ण करना ही चाहिए।

समय की उपयोगिता रू

कालोऽस्मि लोकक्षयकृत्प्रवृद्धोलोकान्समाहर्तुमिह प्रवृत्तः। ऋतेऽपि त्वां न भविष्यन्ति सर्वे येऽवस्थिताः प्रत्यनीकेषु योधाः ध्अ.11–32श्लोक

भावार्थ रू श्री भगवान बोले– मैं लोकों का नाश करने वाला बढ़ा हुआ महाकाल हूं। इस समय इन लोकों को नष्ट करने के लिए प्रवृत्त हुआ हूं। इसलिए जो प्रतिपक्षियों की सेना में स्थित योद्धा लोग हैं, वे सब तेरे बिना भी नहीं रहेंगे अर्थात तेरे युद्ध न करने पर भी इन सबका नाश हो जाएगाध किसी भी कार्य को समय पर करने से ही उस कार्य का महत्व है। गीता में काल और परिस्थिति का विस्तार से वर्णन मिलता है। यदि अर्जुन उस समय युद्ध नहीं करता तो भी वे सभी मारे जाते आज नहीं तो कल कभी भी। लेकिन यदि अर्जुन नहीं मारता तो अपयश को प्राप्त होता और संसार में उसका यश भी नहीं होता। जब सामने युद्ध खड़ा हो तो युद्ध करना चाहिए। ऐसा ही जब जीवन में जो भी अवसर सामने खड़ा हो तो उसको भूना लेना चाहिए। वर्ना तो उस अवसर का नाश ही होने वाला है या उस अवसर को कोई और प्राप्त कर लेगा।

प्रेरणा बने

न बुद्धिभेदं जनयेदज्ञानां कर्म संगिनाम्।
जोषयेत्सर्वकर्माणि विद्वान्युक्तरू समाचरन्।।अ. 3–26श्लोक

अर्थात् ज्ञानी पुरुष को चाहिए कि कर्मों में आसक्ति वाले अज्ञानियों की बुद्धि में भ्रम अर्थात कर्मों में अश्रद्धा उत्पन्न न करे किंतु स्वयं ईश्वर के रूप में स्थित हुआ और सभी कर्मों को अच्छी प्रकार से करता हुआ उनसे भी वैसे ही कराए। ये प्रतियोगिता का युग है, यहां हर कोई आगे बढ़ना चाहता है। ऐसे में अधिकांश संस्थानों में ये होता है कि कुछ चतुर लोग अपना काम तो पूरा कर लेते हैं, लेकिन अपने साथी को उसी काम को टालने के लिए प्रेरित करते हैं या काम के प्रति उसके ह्रदय में लापरवाहीभर देते हैं। श्रेष्ठ व्यक्ति वही होता है जो अपने काम से दूसरों के लिए प्रेरणा बनता है,संस्था में उसी का भविष्य सबसे ज्यादा उज्जवल होता है।

अच्छे भाव से युक्त कर्म करे

ये यथा मां प्रपद्यन्ते तांस्तथैव भजाम्यहम्।
म वर्त्मानुवर्तन्ते मनुष्या पार्थ सर्वशरू।।अ.4–11श्लोक

अर्थात– हे अर्जुन ! जो मनुष्य मुझे जिस प्रकार भजता है जिस इच्छा से मेरा स्मरण करता है, उसी के अनुरूप मैं उसे फल प्रदान करता हूं। सभी लोग सब प्रकार से मेरे ही मार्ग का अनुसरण करते हैं।

इस श्लोक के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण बताते हैं कि संसार में जो मनुष्य जैसा व्यवहार दूसरों के प्रति करता है, दूसरे भी उसी प्रकार का व्यवहार उसके साथ करते हैं। उदाहरण के तौर पर जो लोग भगवान का स्मरण मोक्ष प्राप्ति के लिए करते हैं, उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। जो किसी अन्य इच्छा से ईश्वर का स्मरण करते हैं, उनकी वह इच्छाएं भी ईश्वर की कृपा से पूर्ण होती है। कंस ने सदा भगवान को मृत्यु के रूप में स्मरण किया इसलिए भगवान ने उसे मृत्यु प्रदान की। हमें परमात्मा को वैसे ही स्मरण करना चाहिए, जिस रुप में हम उसे पाना चाहते हैं।

एकनिष्ठता :

न मां दुष्कृतिनो मूढाः प्रपद्यन्ते नराधमाः ।
माययापहृतज्ञाना आसुरं भावमाश्रिताः ध्अ.7–15श्लोक
अन्तवत्तु फलं तेषां तद्भवत्यल्पमेधसाम्ध ।
देवान्देवयजो यान्ति मद्भक्ता यान्ति मामपि ।।अ.7–16श्लोक

भावार्थ : माया द्वारा जिनका ज्ञान हरा जा चुका है, ऐसे आसुर–स्वभाव को धारण किए हुए, मनुष्यों में नीच, दूषित कर्म करने वाले मूढ़ लोग मुझको नहीं भजतेध...परन्तु उन अल्प बुद्धिवालों का वह फल नाशवान है तथा वे देवताओं को पूजने वाले देवताओं को प्राप्त होते हैं और मेरे भक्त चाहे जैसे ही भजें, अन्त में वे मुझको ही प्राप्त होते हैं। आजकल बहुत से लोग विभिन्न देवी और देवताओं की पूजा करते हैं। बहुत से लोग किसी समाधि, वृक्ष, गाय, दरगाह, बाबा आदि की भी उपासना करते हैं किन्तु ऐसे लोगों की आराधना का फल नाशवान है। लेकिन जो उस एक परम तत्व को मानते हैं उसे वे किसी भी रूप में भजे अंत में उसी को प्राप्त होते हैं एवं उनका कर्म कभी निष्फल नहीं होता। एकनिष्ठ बनने से व्यक्ति के विचारों एकरूपता और दृढ़ता आती है और वह भयमुक्त होकर निर्णय लेता है। ऐसा ही व्यक्ति लोगों का नेतृत्व करने की योग्यता भी रखता है।

आज के युग में किसी भी कंपनी में कृष्ण रूपी सीईओ, धर्मराज युधिष्ठिर के जैसा नीति और विधी(कानूनी)सलाहकार, अर्जुन की तरह रणनीतिकार और वित्तीय प्रबंधक, भीम के जैसा कार्यबल तथा नकुल एवं सहदेव की तरह विपणन प्रबंधक होना चाहिए।निजी जीवन, पारिवारिक समस्याओं, व्यावसायिक प्रतिष्ठान के प्रबंधन सहित राष्ट्र में आने वाली हर चुनौती का हल गीता में है। अतरू इसे सर्वकालिक प्रबंध कोश भी कहा जा सकता है।गीताजी का हर एक पद व श्लोक वेद रूपी अमृत है। वर्तमान युग में भी गीता उतनी प्रासंगिक है जितने धर्म क्षेत्र महाभारत के समय थी। इस सुंदर जीवन रूपी दर्शन का उद्देश्य प्राणीमात्र का कल्याण करना है। नर से नारायण बनने की सरलतम प्रक्रिया इस भगवत ज्ञान में दी है। बस हमें अर्जुन जैसा जिज्ञासु बनकर इसको आत्मसात करना है। हर युग में मानव के सामने कुरुक्षेत्र जैसी परिस्थितियां आती है, लेकिन उनसे डटकर मुकाबला करना है तो उसके लिए सबसे सुलभ मार्ग गीताजी में दिया है। श्रीमद्भगवद्गीता की महिमा अनंत हैं। इस भगवत ज्ञान घगीताजी' का सारांश आसानी से इस श्लोक से प्रकट होता है।

एकं शास्त्रं देवकीपुत्र गीतम्
एको देवों देवकीपुत्र एव ।
एको मंत्रस्तस्य नामानि यानि
कर्माप्येकं तस्य देवस्य सेवा ।।

इलेक्टोरल बॉन्ड्स: भाजपा बेनकाब

यह कहावत एकदम सत्य है कि सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहींस यदि सत्य सच्चाई नहीं होती तो मानव जीवन नहीं होता क्योंकि प्रगति पहाड़ झरना नदिया जंगल बुक और प्रकृति द्वारा दिए गए प्रतिशत के रूप में मानव सहित सांसारिक जीव जंतु प्राकृतिक सत्य की उत्पत्ति हैस और यह भी सत्य है कि मनुष्य अपने लालच,स्पृहा, कामना,कपट के चलते असत्यता झूठ और फरेब का सहारा और वैशाखी लेकर त्वरित लाभ के लिए जीवन के भाव सागर में कूद पड़ता है परंतु सत्य ही अंतिम सत्य है परंतु आज की परिस्थितियों में सच्चाई जीवन के हर पहलू से अरे होती जा रही है। आज हम स्वयं दिग्भ्रमित हैं तो आने वाली पीढ़ी को हम क्या नैतिक, संस्कारिक और सांस्कृतिक विरासत दे पाएंगे। आज के इस उत्तर आधुनिक समाज में जहां उपभोक्तावादी संस्कृति की प्रधानता के परिपेक्ष में भौतिक साधनों एवं सुखों के लक्ष्य की प्राप्ति की एकमात्र उपाय रह गई वहां भौतिकवाद तथा शारीरिक सुख की प्राप्ति का प्रचलन पूरे समाज में फैल गया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए झूठ फरेब एवं षड्यंत्र ने अपना जाल बुन रखा है। प्राचीन काल से हम आध्यात्मिक, संस्कारिक,सांस्कृतिक रूप से बढ़ रहे थे पर विकास की अवधारणा ने एक नया स्वरूप ले लिया है इन परिस्थितियों में समाज के सदस्यों ने झूठ और फरेब का सहारा लेना शुरू कर दिया हैस भौतिकवाद सिर चढ़कर बोलने लगा हैस व्यक्तिगत एवं सामाजिक आत्मीय संबंधों के मूल्य का तेजी से क्षरण होने लगा हैस समाज के मूलभूत सिद्धांत तथा मूल्य गायब हो गए हैं। सामाजिक मूल्यों के खत्म होने की प्रक्रिया में सत्य बोलना कि एक मात्र साधन शेष रह गया है, किंतु वर्तमान समय में सच बोलना एक कठिन तप और तपस्या की तरह ही है। महात्मा गांधी के जीवन में भी उनके अध्यात्मिक दर्शन में सत्य अहिंसा मूल अवधारणा रही है उन्होंने इस सत्य को पहचाना और यह आशा प्रकट की कि यदि व्यक्तियों में सत्य के प्रति आस्था पैदा हो जाए तो सामाजिक नैतिकता का स्वंस्वयं उच्च स्तर को प्राप्त कर सकता है और सही मायने में सत्य ही मनुष्य के आचरण की ऊंचाई मानी जाती है। सत्य और अहिंसा पर चलने के लिए संयम, मनोबल, आत्मशक्ति और ऊर्जा ही एक बड़ा विकल्प है । सत्य और अहिंसा स्वाभिमान के प्रतीक है सत्य बोलने वाला मनुष्य स्वाभिमानी होता है दूसरी तरफ असत्य आत्मग्लानि का द्योतक है। कबीर दास जी ने भी सत्य को ईश्वर मानकर कई दोहों की रचना की है। नकारात्मक व्यवहार सामाजिक स्तर पर किया जाने वाला सबसे महत्वपूर्ण दुर्गुण है क्योंकि इसका प्रभाव पूरे समाज एवं देश पर गंभीर परिणाम देने लगता है। झूठ बोलना और सच को नेपथ्य में धकेलना एक सबसे बड़ी सामाजिक बुराई के रूप में सामने आई है। इसीलिए सामाजिक रूप से झूठ को सबसे बड़ा पाप कहा गया है पाप इस अर्थ में कहा गया है कि यह हमें दिग्भ्रमित करके वंचित कर्तव्य एवं रोजमर्रा के आत्मीय व्यवहार से वंचित रखता है और असत्य कथन को समस्त बुराइयों अपराधों की जननी माना जाता है। हम भौतिकवादी मानसिकता से इतने अधिक ग्रसित हो गए हैं की पारिवारिक सदस्यों के बीच हमारे आत्मीय संबंध लुप्त प्राय होते जा रहे हैं और ऐसे बनावटी परिवेश में व्यक्ति तथा समाज अपनी भौतिक मानसिक विलासिता तथा सफलता के दायरे में सिमट कर रह गया है। इसकी प्राप्ति के लिए व्यक्ति अत्यंत उन्मुक्त निसंकोच तरीके से असत्य का सहारा लेने से भी नहीं चूक रहा है। भौतिक सुख साधनों की लालसा में मनुष्य में साधनों की सत्यता तथा शुद्धता फिर भी गहरा समझौता कर समाज में असामाजिक व्यवहार को अपना लिया है जिसके दूरगामी परिणाम भारतीय समाज के लिए अच्छे संकेत नहीं है। आज मनुष्य नैतिकता एवं अनैतिकता की बारीक लकीर हो पहचानने से काफी दूर हो गया है।

राम चरण स्टारर गेम चेंजर को बड़ा झटका, तेलंगाना सरकार ने वापस लिया टिकट मूल्य वृद्धि का आदेश

सुपरस्टार राम चरण इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म गेम चेंजर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसी बीच फिल्ममेकरस को बड़ा झटका लगा है। तेलंगाना सरकार ने अभिनेता राम चरण की फिल्म गेम चेंजर के लिए टिकट मूल्य वृद्धि के आदेश को वापस ले लिया है। उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद सरकार ने यह निर्णय लिया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए, सरकार ने कहा कि भविष्य में सुबह के शो की अनुमति नहीं दी जाएगी, जब तक कि ''सार्वजनिक हित, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर उचित रूप से विचार नहीं किया जाता। शनिवार रात जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि बढ़ी हुई दरों के साथ फिल्म के प्रदर्शन की अनुमति वापस लेने के आदेश 16 जनवरी से प्रभावी होंगे। गेम चेंजर के निर्माताओं के अनुरोध के बाद, राज्य सरकार ने तीन जनवरी को एक आदेश जारी करके 10 जनवरी को छह शो (तड़के चार बजे के अतिरिक्त शो समेत) दिखाने की अनुमति दी थी। आदेश के अनुसार मल्टीप्लेक्स थिएटर के लिए अतिरिक्त 150 रुपये और सिंगल थिएटर के लिए 100 रुपये की अतिरिक्त राशि तय की गई थी। इसके अलावा 11 से 19 जनवरी तक (नौ दिनों के लिए) पांच शो दिखाने की अनुमति भी दी गई थी, जिसमें मल्टीप्लेक्स थिएटर के लिए अतिरिक्त 100 रुपये और सिंगल थिएटर के लिए 50 रुपये की अतिरिक्त राशि तय की गई थी। अतिरिक्त शो और कीमतों में बढ़ोतरी की अनुमति देते हुए सरकार ने कहा था कि मादक पदार्थ और साइबर अपराध के प्रतिकूल प्रभाव पर विज्ञापन दिखाए जाने चाहिए। हालांकि, उच्च न्यायालय ने 10 जनवरी को एक अंतरिम निर्देश पारित किया था। अदालत ने आदेश की प्रति प्राप्त होने की तिथि से 24 घंटे के भीतर टिकट दर बढ़ाने के फैसले की समीक्षा करने और सुबह के शो की अनुमति न देने का निर्देश दिया था।

> उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद सरकार ने यह निर्णय लिया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए, सरकार ने कहा कि भविष्य में सुबह के शो की अनुमति नहीं दी जाएगी, जब तक कि ''सार्वजनिक हित, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर उचित रूप से विचार नहीं किया जाता।

तबाही देखकर दुखी हूं, एलए के जंगलों में लगी आग पर प्रीति जिंटा ने जताई चिंता, कहा- सोचा नहीं था ऐसा दिन देखने को मिलेगा

मंगलवार को कैलिफोर्निया के लॉस एंजेलिस के जंगल में आग लगने से वहां तबाही का मंजर फैल गया। लोगों को बचने के लिए अपने घरों को छोड़ दूसरे शहरों में जाना पड़ा। वहां इमरजेंसी जैसे हालात हो गए। घटनास्थल से आने वाली तस्वीरें और वीडियो लोगों का दिल दहला रही है। इसी बीच अमेरिका के लॉस एंजिलिस में रहने वाली एक्ट्रेस प्रीति जिंटा इस भयानक मंजर पर रिएक्ट किया है और अपनी चिंता जाहिर की है। प्रीति जिंटा ने 'एक्स पर कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा दिन देखने को मिलेगा। उन्होंने लिखा, ''आसमन से बर्फ की तरह राख गिर रही है। हमारे आसपास की तबाही देखकर मैं बहुत दुखी हूं। भगवान का शुक्र है कि हम सुरक्षित हैं। एक्ट्रेस ने अग्निशमन विभाग और दमकलकर्मियों के प्रयासों के लिए उनकी तारीफ करते हुए भी की। उन्होंने कहा, ''मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन लोगों के साथ हैं जो विस्थापित हुए हैं और इस आग में अपना सबकुछ खो चुके हैं। उम्मीद है कि जल्द ही आग पर काबू पा लिया जाएगा...। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, लॉस एंजिलिस काउंटी के मेडिकल परीक्षक कार्यालय ने पुष्टि की है कि आग के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। मंगलवार रात लगी आग में 12,000 से अधिक संरचनाएं जलकर राख हो गईं, जिनमें घर, अपार्टमेंट व व्यावसायिक इमारतें शामिल हैं। हालांकि, अभी तक आग लगने का कोई कारण पता नहीं चला है।

शाहिद कपूर की शोएब अख्तर और हरभजन सिंह के साथ यूएई में मुलाकात, वायरल हुआ वीडियो

शाहिद कपूर, पूजा हेगड़े, सोनम बाजवा और अन्य सितारों ने यूएई में हुए तीसरे सीजन के The International League T20 (ILT20) के शानदार उद्घाटन समारोह में स्टेज पर धमाकेदार च्मतवितउंदबम दी। उनकी परफॉर्मेंस के वीडियो और फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं। इस बीच, पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब अख्तर ने भी एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह शाहिद कपूर से मिलते हुए नजर आ रहे हैं। शोएब ने वीडियो के साथ लिखा कि बॉलीवुड एक्टर से मिलकर अच्छा लगा। उनका यह वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल हो गया है। शोएब अख्तर द्वारा शेयर किया गया वीडियो में वह और शाहिद कपूर गर्मजोशी से बातचीत करते हुए दिख रहे हैं। दोनों मुस्कराते हुए एक छोटे से चौट का आनंद ले रहे थे। इस दौरान हरभजन सिंह भी उनके साथ थे। बातचीत के बाद, शाहिद कपूर ने हरभजन सिंह को कंधे पर थपथपाया और फिर शोएब अख्तर से हाथ मिलाया। शाहिद ने काले रंग की कैजुअल ड्रेस पहनी थी, जबकि शोएब ने काले रंग की टी–शर्ट और ट्रैक पैंट पहनी थी। हरभजन सिंह को Maroon Jacket और काले रंग की टी–शर्ट और पैंट में देखा गया। शाहिद कपूर ने आईएलटी20 के उद्घाटन समारोह में क्मअं फिल्म के मुख्य कलाकारों के साथ परफॉर्म किया। उन्होंने 'Marji Chaa Maalik' और 'Aala Re Aala Deva Aala' गानों पर डांस किया। शाहिद और पूजा हेगड़े को क्मअं के श्ठींक डबींश गाने के हुक स्टेप पर भी डांस करते हुए देखा गया। देवां फिल्म में शाहिद कपूर एक होशियार लेकिन बागी पुलिस अफसर का किरदार निभा रहे हैं, जबकि पूजा हेगड़े उनके साथ एक पत्रकार के रूप में दिखाई देंगी। फिल्म में कुब्रा सैत और पवैल गुलाटी भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म मलयालम निर्देशक रोशन आंद्रूज द्वारा निर्देशित है और इसे जी स्टूडियोज और रॉय कपूर फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। क्मअं एक रोमांचक एक्शन थ्रिलर है, जो 31 जनवरी 2025 को रिलीज होगी।

तब्बू ने किया अपने अगले प्रोजेक्ट का ऐलान, मूवी भूत बंगला में अक्षय कुमार के साथ शेयर करेंगी स्क्रीन

तब्बू ने आखिरकार अपने अगले प्रोजेक्ट का ऐलान कर दिया है। वह अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला का हिस्सा बन गई हैं। सोशल मीडिया पर तब्बू ने इस फिल्म के ब्संचचमतइवंतक की तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, हम यहां बंद हैं। कुछ समय से रिपोर्ट्स थीं कि तब्बू इस फिल्म में शामिल होंगी, लेकिन आधिकारिक ऐलान का इंतजार किया जा रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तब्बू इस फिल्म में अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। कुछ समय पहले ही, अक्षय कुमार और परेश रावल ने फिल्म के जयपुर शेड्यूल से एक बिहाइंड–द–सीन फोटो शेयर की थी। परेश रावल ने सोशल मीडिया पर एक फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, 'A Shining star enjoying Winter Sun at Jaipur with Mr FIT @akshaykumar on the shoot of BHOOT BANGLA!' इस पर अक्षय कुमार ने परेश का पोस्ट रीशेयर करते हुए लिखा, 'It is an amazing day on set...good weather and great company!' दिलचस्प बात यह है कि भूत बंगला का भूल भुलैया से खास कनेक्शन है। दोनों फिल्मों में अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन का नाम है, और दोनों फिल्मों की शूटिंग जयपुर के एक ही लोकेशन पर की गई है। भूत बंगला को शोभा कपूर और एकता आर. कपूर ने बालाजी टेलीफिल्म्स के तहत प्रोड्यूस किया है, और अक्षय कुमार के बैनर के साथ, Cape of Good Films ने भी इसमें सहयोग किया है। फिल्म की कहानी अक्षय ए. कौशिक ने लिखी है, जबकि स्क्रीनप्ले रोहन शंकर, अबिलाश नायर और प्रियदर्शन ने लिखा है। अक्षय कुमार इस फिल्म में मुख्य भूमिका में हैं, जबकि फिल्म में परेश रावल, वामिका गब्बी, राजपाल यादव और गोवर्धन असरानी भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे।

अभी-अभी दूसरा बच्चा डिलीवर किया, सोनाक्षी सिन्हा ने शादी के छह महीने बाद किया हैरान करने वाला पोस्ट

सोनाक्षी सिन्हा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने मुस्लिम एक्टर जहीर इकबाल से शादी की है। दोनों अपनी शादीशुदा जिंदगी को अच्छे से एन्जॉय कर रहे हैं। शादी के बाद, कई बार खबरें आई कि सोनाक्षी प्रेग्नेंट हैं, लेकिन एक्ट्रेस ने इन खबरों को पूरी तरह से नकारा किया है। हाल ही में सोनाक्षी ने एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने बच्चे से जुड़ा एक कैप्शन लिखा। उन्होंने लिखा, अभी मैंने सेकंड बेबी डिलीवर किया। हालांकि, यह पोस्ट एक प्रमोशन से संबंधित था। इसमें सोनाक्षी एक पोस्टपार्टम केयर ब्रांड का प्रमोशन करती हुई नजर आ रही हैं और साथ ही मदरहुड पर भी बात कर रही हैं। सोनाक्षी सिन्हा ने लव मैरिज की है और जून 2024 में जहीर इकबाल से शादी की। उन्होंने अपनी शादी को बहुत निजी रखा और घर पर ही रजिस्टर मैरिज की। हालांकि, सोशल मीडिया पर उनकी शादी की तस्वीरें वायरल हो गई थीं। सोनाक्षी ने इस खास मौके पर व्हाइट कलर की साड़ी पहनी थी। शादी के बाद, उन्होंने एक ग्रैंड रिसेप्शन भी दिया था, जिसमें बॉलीवुड के कई बड़े सितारे शामिल हुए थे।

> शादी के बाद, कई बार खबरें आईं कि सोनाक्षी प्रेग्नेंट है, लेकिन एक्ट्रेस ने इन खबरों को पूरी तरह से नकारा किया है। हाल ही में सोनाक्षी ने एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने बच्चे से जुड़ा एक कैप्शन लिखा।

शादी के बाद, सोनाक्षी कई बार जहीर के साथ हनीमून पर जा चुकी हैं और वे अपनी शादीशुदा जिंदगी का पूरा आनंद ले रही हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी सिन्हा को संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी में देखा गया था। इस सीरीज में उन्होंने फरीदन का किरदार निभाया था, जिसे लोगों ने बहुत सराहा। इसके अलावा, उन्होंने ककुडा नामक फिल्म भी की थी। अब उनकी आगामी फिल्म 2025 टाइटल पोस्ट प्रोडक्शन में है।

मकर संक्रांति के दिन घर पर बनाएं बेसन सेव और गुड़ से टेस्टी लड्डू, नोट करें रेसिपी

मकर संक्रांति का पर्व हिंदू धर्म में मुख्य त्योहारों में से एक है। इस त्योहार को बेहद उत्साह पूर्वक सहित धूमधाम से मनाया जाता है क्योंकि यह नए साल का पहला पर्व होता है। मकर संक्रांति के दिन पवित्र नदियों में स्नान और दान–पुण्य के कार्य भी किए जाते हैं। इस दिन हर भारतीय घर में कई पकवान और डिशेज बनती है। मकर संक्रांति के दिन तिल और गुड़ से बनीं चीजें खाई जाती है। इस दिन केवल तिल और गुड़ ही नहीं बल्कि बेसन सेव के बनाएं क्रिस्पी लड्डू बना सकते हैं। इसके बनाना बेहद आसान है, बेसन सेव और गुड़ के लड्डू बनाने के बाद इसे सब खाना पसंद करेंगे। चलिए आपको इसकी रेसिपी बताते हैं।

सेव लड्डू बनाने की सामग्री

– 250 ग्राम बेसन

– 100 ग्राम गुड़

– एक चौथाई चम्मच बेकिंग सोडा

– 3 चम्मच रिफाइंड ऑयल मोयन के लिए

– तलने के लिए तेल

सेव लड्डू बनाने की विधि

– सबसे पहले आप बेसन लें और उसमें बेकिंग सोडा एक चौथाई चम्मच मिला लें। अगर आपको सौंफ पसंद है, तो आप एक चम्मच डाल दीजिए।

– बेसन को अच्छे तरह से मिक्स करें और मोयन के लिए दो से तीन चम्मच तेल डालकर हाथ से अच्छे से मिला सकते हैं। जिससे बेसन साथ में बंधने लगे।

– अब पानी डालकर सॉफ्ट आटा गूंथ लें।

– हाथों में तेल लगाकर इस आटे की उठाएं और सेव वाली मशीन में डालकर भर लें।

– इसके बाद आप कड़ाही में तेल डालें और गर्म हो जाने के बाद मशीन से सीधे तेल में बेसन के सेव को निकालें।

– जब यह गोल्डन ब्राउन हो जाए तो इसे बाहर निकाल लें।

– यदि आपके पास सेव वाली मशीन नहीं है तो छेद वाले करछूल से सेव बना सकते हैं।

– सेव को क्रश कर छोटे–छोटे टुकड़ों में कर के रख लें।

– अब कड़ाही में गुड़ को छोटे–छोटे टुकड़ों में करके डाल दें। जिससे ये पिघल जाए।

– इसके साथ ही दो से तीन चम्मच पानी डालें। साथ ही देसी घी डाल दें। इससे गुड़ बर्तन में चिपके नहीं।

– जब गुड़ अच्छे से मेल्ट हो जाए तब चाश्नी तैयार कर लें। चाश्नी को पानी में डालकर चेक कर लें कि गुड़ एक बार में गोल शेप ले रहा या नहीं। यदि गोल हो जा रहा तो इसका मतलब है कि चाश्नी तैयार है। फिर आप गैस की आंच को धीमा कर दे और सेव को डालकर चलाएं। जिससे सारे सेव पर गुड़ की चाश्नी की कोटिंग हो जाए।

– अब आप गैस की फ्लेम को बंद करें और हाथों में पानी लगाकर फटाफट लड्डू तैयार करें।

– अगर आप चाहे तो इसे थाली में फैलाकर बर्फी का शेप भी दे सकते हैं।

नाक बंद होने से हैं परेशान ? अपनाएं ये जादुई उपाय, सांस लेना हो जाएगा आसान

बंद नाक एक सामान्य समस्या है, जिसका सामना अक्सर लोग सर्दी, जुकाम या एलर्जी के दौरान करते हैं। जब नाक बंद होती है तो सांस लेना मुश्किल हो जाता है, जिससे न केवल शारीरिक असुविधा होती है, बल्कि यह मानसिक स्थिति को भी प्रभावित कर सकता है। नाक बंद होने से चेहरे की मांसपेशियों पर दबाव पड़ता है और शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो सकती है, जिससे थकान महसूस होती है। लेकिन घबराने की कोई बात नहीं है, बंद नाक से राहत पाने के लिए कुछ सरल घरेलू उपाय हैं, जिन्हें आप आसानी से अपना सकते हैं।

नाक की बंदगी से राहत पाने के उपाय

भाप लेना

भाप लेना नाक की बंदगी को खोलने का एक प्रभावी और प्राकृतिक उपाय है। जब नाक बंद होती है, तो सांस लेना मुश्किल हो जाता है, और भाप लेने से नाक के अंदर जमा हुआ बलगम पतला हो जाता है, जिससे आसानी से निकल जाता है। इसके लिए आपको एक कटोरी गर्म पानी लेनी होगी और उसमें भाप को सीधे सांस के जरिए लेना होगा। आप अपनी आंखें बंद करके चेहरे को कटोरी के ऊपर रखें और तौलिया से सिर को ढक लें ताकि भाप बाहर न जाए और पूरी भाप को आप आराम से महसूस कर सकें। भाप लेने से न केवल नाक खुलती है, बल्कि यह गले की सूजन को भी कम करता है। इस प्रक्रिया को दिन में 2–3 बार करने से जल्दी राहत मिल सकती है।

नमक के पानी से नाक धोना

नाक धोने के लिए नमक का पानी एक बहुत ही असरदार और सस्ता तरीका है। जब नाक में बलगम जमा हो जाता है, तो वह सांस लेने में रुकावट पैदा करता है। नमक का पानी न केवल नाक को साफ करता है, बल्कि यह सूजन को भी कम करता है। इसके लिए एक कप गुनगुने पानी में एक चम्मच नमक डालकर अच्छी तरह से घोलें। फिर इस मिश्रण को एक नेटी पॉट या सिरिंज की मदद से धीरे–धीरे नाक में डालें। इस प्रक्रिया से नाक के अंदर की सारी गंदगी और अतिरिक्त बलगम बाहर निकल जाती है और नाक खुल जाती है। यह उपाय न केवल ताजगी लाता है, बल्कि नाक में रुकावट को भी दूर करता है।

तुलसी और अदरक का सेवन

तुलसी और अदरक के औषधीय गुणों के कारण यह नाक की बंदगी से राहत पाने में काफी मदद करते हैं। तुलसी का सेवन न केवल शरीर को शक्ति प्रदान करता है, बल्कि यह श्वसन तंत्र को भी साफ करता है। तुलसी के पत्तों को उबालकर उनका काढ़ा पिएं, जिसमें अदरक और नींबू भी डाल सकते हैं। अदरक के एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण नाक के अंदर की सूजन को कम करते हैं और श्वसन तंत्र को साफ करते हैं। शहद भी इस काढ़े में डाला जा सकता है, जो न केवल स्वाद बढ़ाता है, बल्कि यह गले को भी राहत देता है। यह नाक में जमा बलगम को हटाने और नाक को खोलने में बेहद प्रभावी है।

गरम पानी से नहाना

गर्म पानी से नहाना न केवल पूरे शरीर को ताजगी देता है, बल्कि यह नाक को खोलने में भी मदद करता है। जब आप गर्म पानी से नहाते हैं, तो उसकी भाप न केवल आपके शरीर को आराम देती है, बल्कि नाक के अंदर की सूजन और बलगम को भी कम करती है। नहाते वक्त पानी के गर्म होते ही उसकी भाप नाक के अंदर तक पहुंचती है और नाक को खोलने में मदद करती है। इसके अलावा, गुनगुने पानी से नहाने से रक्त संचार में भी सुधार होता है, जिससे आप और अधिक ताजगी महसूस करते हैं। यह उपाय न केवल नाक की समस्या को कम करता है, बल्कि शरीर के समग्र स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा होता है।

पानी अधिक पिएं

नाक की बंदगी से राहत पाने के लिए पर्याप्त पानी का सेवन करना बेहद महत्वपूर्ण है। जब शरीर हाइड्रेटेड रहता है, तो बलगम पतला हो जाता है, जिससे नाक में सूजन कम होती है और नाक की बंदगी को खोलने में मदद मिलती है। पानी अधिक पीने से शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं और शरीर की इम्यूनिटी भी मजबूत होती है। इस तरह, पानी न केवल नाक की बंदगी को ठीक करने में मदद करता है, बल्कि यह समग्र स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। दिन भर में कम से कम 8–10 गिलास पानी पीने की आदत डालें, ताकि शरीर की हाइड्रेशन बनी रहे और नाक की बंदगी में राहत मिले।

एरिवेदिक उपचार (घरेलू तेल का उपयोग)

नीलगिरी और पुदीने के तेल का उपयोग नाक की बंदगी को दूर करने में मदद करता है। ये तेल श्वसन तंत्र को खोलने और शुद्ध करने में मदद करते हैं। एक चम्मच नीलगिरी तेल और पुदीने के तेल को गुनगुने पानी में डालकर भाप लें। इससे न केवल नाक की बंदगी दूर होती है, बल्कि गले को भी राहत मिलती है। इन तेलों का उपयोग न केवल भाप के रूप में किया जा सकता है, बल्कि आप सीधे नाक के किनारों पर इन तेलों को लगा सकते हैं। इससे नाक में ताजगी महसूस होती है और बंद नाक खुल जाती है।

सिर के बल सोने से बचें

सिर के बल सोने से नाक की बंदगी और भी बढ़ सकती है। जब हम सिर के बल सोते हैं, तो नाक के अंदर रक्त प्रवाह प्रभावित होता है और बलगम जमा हो जाता है। इसलिए, कोशिश करें कि सिर को थोड़ी ऊंचाई पर रखें। तकिया या कुशन का उपयोग करके अपने सिर को ऊंचा रखें। इससे नाक में बलगम और सूजन कम होगी और नाक खुल जाएगी। रात को सोते वक्त सिर को ऊंचा रखने से सांस लेने में आसानी होगी और नाक की बंदगी से राहत मिलेगी।

विटामिन सी का सेवन

विटामिन सी से भरपूर फल जैसे संतरे, नींबू, आमला, और पपीता का सेवन करें। ये फल न केवल शरीर को इन्फेक्शन से लड़ने में मदद करते हैं, बल्कि नाक की सूजन को भी कम करते हैं। विटामिन सी के सेवन से शरीर की इम्यूनिटी मजबूत होती है और संक्रमण से निपटने में मदद मिलती है। साथ ही, यह नाक के भीतर सूजन और जलन को भी कम करता है, जिससे बंद नाक खुल जाती है।

हॉट कॉम्प्रेस

गर्म पानी में तौलिया डुबोकर उसे नाक और माथे पर रखें। यह तरीका न केवल नाक के अंदर जमा बलगम को ढीला करने में मदद करता है, बल्कि यह चेहरे और सिर की मांसपेशियों को भी आराम देता है। तौलिया की गर्माहट से नाक की सूजन कम होती है और नाक की बंदगी में राहत मिलती है। इस उपाय को दिन में 2–3 बार करने से नाक खुलने में आसानी होती है।

बंद नाक की वजहें

बंद नाक होने की मुख्य वजहें निम्नलिखित हो सकती हैं

सर्दी–खांसी और जुकामः वायरल संक्रमण के कारण नाक के भीतर सूजन और बलगम की अधिकता हो जाती है।

एलर्जीः धूल, पराग, धूम्रपान या किसी अन्य एलर्जन से एलर्जी की प्रतिक्रिया भी नाक को बंद कर सकती है।

साइनसाइटिसः साइनस में सूजन और संक्रमण से नाक बंद हो सकती है।

नाक में सूजनः नाक के अंदर की रक्त वाहिकाओं का फैलना, जिससे नाक बंद हो जाती है।

बंद नाक की समस्या एक आम लेकिन परेशानी वाली स्थिति हो सकती है। हालांकि, ऊपर दिए गए उपायों को अपनाकर आप इस समस्या से आसानी से राहत पा सकते हैं। यदि बंद नाक का कारण गंभीर हो, जैसे कि साइनसाइटिस या एलर्जी, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। इसके अलावा, स्वच्छता बनाए रखना और सही आहार का सेवन भी सेहत को बनाए रखने में मदद करता है।

बर्फीली हवाएं भी न कर सकेंगी आपकी त्वचा का बाल भी बांका, इन टिप्स से पाएं सुपर ग्लो

क्या सर्दियों में आपकी त्वचा रूखी और बेजान हो जाती है? अगर हां, तो अब आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है! सर्दियों में त्वचा की देखभाल के लिए कुछ बेहतरीन टिप्स हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपनी त्वचा को नमी और कोमलता दे सकते हैं। आइए जानते हैं उनकी ये आसान टिप्स जो आपकी त्वचा को सर्दियों में भी हेल्दी बनाए रखेंगी।

ड्राई स्किन के लिए क्रीमी क्लींजर का इस्तेमाल करें

सर्दियों में त्वचा में नमी की कमी हो जाती है, जिससे चेहरे पर रूखापन और पपड़ी जमा हो सकती है। शहनाज हुसैन का कहना है कि अगर आपकी स्किन ड्राई या नॉर्मल है, तो आपको क्रीमी क्लींजर का इस्तेमाल करना चाहिए। इससे चेहरे की त्वचा मुलायम रहेगी और अधिक सूखी नहीं पड़ेगी। फेस वॉश के बाद गुलाब जल का स्किन टॉनिक लगाने से रक्त संचार बेहतर होता है और त्वचा को ताजगी मिलती है।

सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें

सर्दियों में भी सूरज की हानिकारक यूवी किरणें हमारी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए दिन में सनस्क्रीन का उपयोग करना बहुत जरूरी है। शहनाज हुसैन का कहना है कि इन दिनों कई ऐसी सनस्क्रीन्स उपलब्ध हैं जो मॉइस्चराइजर की तरह काम करती हैं, और स्किन को हाइड्रेट भी करती हैं। हमेशा सनस्क्रीन को फाउंडेशन लगाने से पहले लगाएं ताकि आपकी त्वचा सुरक्षित रहे।

नाइट क्रीम का इस्तेमाल करें

रात में त्वचा को नरिश और हाइड्रेटेड रखना जरूरी है। इसके लिए आप नाइट क्रीम का इस्तेमाल कर सकती हैं। नाइट क्रीम त्वचा को नमी देती है और चेहरे की झुर्रियों तथा फाइन लाइंस को कम करने में मदद करती है। रात को सोते वक्त नाइट क्रीम लगाने से त्वचा मुलायम और चिकनी हो जाती है।

फेस मसाज करें

त्वचा को कोमल और मुलायम बनाने के लिए हर दिन 10 मिनट का फेस मसाज करें। शहद को चेहरे पर लगाकर ताजे पानी से धोने से ड्राई स्किन को राहत मिलती है। ये नुस्खा आपकी त्वचा को मुलायम बनाने में मदद करेगा।

रूखी त्वचा के लिए शहद और नारियल तेल का मिश्रण

अगर आपकी त्वचा बहुत ज्यादा रूखी है, तो आप शहद में अंडे का पीला भाग या शुद्ध नारियल तेल डालकर चेहरे पर मालिश कर सकती हैं। इससे आपकी त्वचा को आवश्यक नमी मिलती है और वह कोमल बनती है। वहीं, अगर आपकी त्वचा ऑयली है, तो शहद में अंडे का सफेद भाग और नींबू के रस की कुछ बूंदें डालकर मसाज करें। यह नुस्खा ऑयली स्किन के लिए बहुत फायदेमंद है।

इन टिप्स को अपनाकर आप सर्दियों में भी अपनी त्वचा को हेल्दी और ग्लोइंग बना सकती हैं।

रात भर पैर रहते हैं ठंडे, तो सोने से पहले इस उपाय को एक बार कर लें, फिर देखें चमत्कार, पांव रहेंगे गर्म

अभी भारत में हांड कापने वाली सर्दी पड़ रही है। इस ठिठुरन वाली सर्दी में हाथ–पैर ठंडे बने ही रहते है। खासतौर पर रात को सोते समय पैर ठंडे बने रहते हैं। अगर आप मोजा भी पहन रहे हैं, तब भी पैर गर्म नहीं होते हैं और रात भर ठंडे रहते हैं। इस कारण से कई बार रात को नींद भी नहीं आती है। नींद खराब होने से पूरा दिन अच्छा नहीं रहता है। इसलिए आप पैरों को गर्म करने के लिए बस साधरण सा नुस्खा आजमा लें। इससे आपके पैर भी गर्म रहेंगे। चलिए आपको नुस्खा बताते हैं।

पैरों में लगाएं तिल का तेल

ठंडे पैरों को गर्म रखने के लिए सोने से पहले आप गर्म तिल तेल से मालिश करनी चाहिए। इससे पैरों का ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और साथ ही पैर भी गर्म रहते है। पैरों को गर्म रखने के लिए तिल का तेल जरुर लगाएं। ये आसानी से हीट प्रोड्यूस करेगा और पैरों को गर्म रखने में मदद करेगा।

तिल के तेल के साथ मिलाएं यूकेलिप्टस ऑयल

रात को सोने से पहले तिल के तेल को हल्का सा गुनगुना कर लें और इसमें कुछ बूंद यूकेलिप्टस ऑयल फिर थोड़ा सा विक्स लेकर हाथों पर मिलाएं और पैरों के तलवों की मालिश करें। इसके बाद मोजे पहन लें। ऐसा करने से पैर आसानी से गर्म बने रहते हैं और नींद भी बढ़िया आती है।

संक्षिप्त

शेयर बाजार के लिए है ब्लैक मंडे, भारत में कारोबार हुआ धड़ाम

इस सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन भारत के लिए भूचाल से भरा रहा है। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन कई बुरी खबर सुनने को मिली है। शेयर बाजार के निवेशक लगातार पैसे का गोता लगा रहे है। डॉलर की अपेक्षा रुपये का दम निकल रहा है। शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 800 में अंक की गिरावट आ गई है। सेंसेक्स अब 77000 अंकों से नीचे 76535 के स्तर पर पहुंचा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 में भी गिरावट आई है। निफ्टी 260 अंक नीचे गिरकर 23,172 अंक पर पहुंच गया है। शेयर बाजार की इस गिरावट के कारण निवेशकों के 4.22 लाख करोड़ रुपयों का नुकसान हुआ है। शेयर बाजार की इस गिरावट को सबसे बड़ी मार मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों के शेयरों में देखने को मिली है। निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 900 अंकों की गिरावट पर पहुंचा है। निफ्टी में गिरावट लगभघ 250 अंकों की आई है। सोमवार को बैंकिंग, ऑटो, आईटी, मेटल्स, एफएमसीजी, फार्मा, हेल्थकेयर के शेयरों में गिरावट आई है।

रुपये में आई रिकॉर्ड गिरावट

सोमवार को रुपये रिकॉर्ट स्तर पर गिरा है। डॉलर के मुकाबले रुपया सबसे नीचे स्तर पर पहुंच गया है। इससे पहले रुपया 43 पैसे की कमजोरी के साथ 86.40 के स्तर पर पहुंचा है। वहीं इन दिनों भारत के लिए कच्चे तेल का आयात करना भी मुश्किल हो गया है। रूस की तेल कंपनियों पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगा दिया है। इससे भारत की मुश्किल बढ़ गई है। भारत को आने वाले समय में अन्य देशों से अधिक कीमत पर कच्चा तेल खरीदना पड़ सकता है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने हैदराबाद में पहली आवासीय परियोजना की शुरू,1,300 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड को हैदराबाद में अपनी पहली आवासीय परियोजना से करीब 1,300 करोड़ रुपये की आय की उम्मीद है। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में हैदराबाद में अपनी पहली प्रीमियम आवासीय परियोजना 'गोदरेज मैडिसन एवेन्यू' की शुरुआत की घोषणा की। कंपनी सूचना के अनुसार, हैदराबाद के कोकापेट में तीन एकड़ भूमि पर फैली इस परियोजना में करीब 12 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र होगा। इसकी अनुमानित बुकिंग कीमत करीब 1,300 करोड़ रुपये होगी। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गौरव पांडे ने कहा, '' हम हैदराबाद में अपनी पहली परियोजना शुरू करने को लेकर उत्साहित हैं, जो हमारी विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कोकापेट रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान है और बुनियादी ढांचागत लाभ इसे प्रीमियम आवासीय विकास के लिए एक आदर्श स्थान बनाते हैं।'' गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है। कंपनी की मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), दिल्ली–एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र), बेंगलुरु और पुणे आवास बाजारों में मजबूत उपस्थिति है। अब इसने हैदराबाद शहर में प्रवेश किया है।

भारतीय रियल एस्टेट में निजी इक्विटी निवेश अप्रैल–दिसंबर 2024 में छह प्रतिशत बढ़ा : एनारॉक

नयी दिल्ली । भारतीय रियल एस्टेट में चालू वित्त वर्ष 2024–25 की अप्रैल–दिसंबर अवधि के दौरान निजी इक्विटी (पीई) निवेश सालाना आधार पर छह प्रतिशत बढ़कर 2.82 अरब डॉलर हो गया। औद्योगिक तथा लॉजिस्टिक्स पार्कों में पूंजी प्रवाह में तेजी से इसको बढ़ावा मिला। रियल एस्टेट परामर्शदाता एनारॉक के आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों के दौरान निजी इक्विटी (पीई) सौदों की संख्या सालाना आधार पर 30 से घटकर 24 रह गई। हालांकि आलोच्य अवधि

में कुल निवेश मूल्य 2.66 अरब अमेरिकी डॉलर से छह प्रतिशत बढ़कर 2.82 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। अप्रैल–दिसंबर 2024 के दौरान कुल पीई निवेश में विदेशी वित्त का योगदान 82 प्रतिशत रहा। परिसंपत्ति वर्ग में, औद्योगिक तथा लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की कुल निवेश में 62 प्रतिशत, आवास की 15 प्रतिशत, कार्यालय की 14 प्रतिशत तथा मिश्रित उपयोग परियोजनाओं की नौ प्रतिशत हिस्सेदारी रही। एनारॉक कैपिटल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शोभित अग्रवाल ने कहा कि शीर्ष 10 सौदे इस वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में हुए कुल पीई लेनदेन का 93 प्रतिशत हैं। उन्होंने कहा कि कुल पीई निवेश का नेतृत्व रिलायंस–एडीआईए/केकेआर वेयरहाउसिंग सौदे ने किया जिसकी कीमत 1.54 अरब अमेरिकी डॉलर थी। अग्रवाल ने कहा, '' इस सौदे के साथ–साथ 20.4 करोड़ अमेरिकी डॉलर के ब्लैकस्टोन–लोगोस इक्विटी सौदे से लॉजिस्टिक्स तथा वेयरहाउसिंग क्षेत्र को काफी बढ़ावा मिला, जिसकी कुल निवेश में 62 प्रतिशत हिस्सेदारी रही।

सात साल पहले भारत के लिए खेल चुका यह बैटर फिर चयन की दौड़ में, पिछली छह पारियों में जड़ चुका 5 शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। 'हे भगवान! कृपया मुझे एक और मौका दें।' शायद इस वाक्य के बारे में आपको अभी तक याद होगा। दिसंबर 2022 में घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले करुण नायर को मौका नहीं मिलने पर उन्होंने यह पोस्ट अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर किया था। उनका करियर तब लगभग खत्म होने पर था। ऐसे में पूरी तरह टूट चुके करुण ने यह पोस्ट किया था। इस पोस्ट के बाद करुण के लिए पिछले 12–13 महीनों में कुछ चमत्कार सा हुआ है और वह भारतीय टीम का दरवाजा फिर से खटखटाने लगे हैं। विजय हजारे ट्रॉफी 2024/25 में उनके शानदार प्रदर्शन ने सभी को चौंक दिया है। वह इस टूर्नामेंट में पिछली छह पारियों में पांच शतक जड़ चुके हैं और पांच बार नॉटआउट रहे हैं।

तिहरा शतक लगाने के बाद ड्रॉप हुए थे करुण

करुण के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बुरा हुआ था और उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ चेन्नई में तिहरा शतक लगाने के बाद ड्रॉप कर दिया गया था। करुण ने दिसंबर 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 303 रन बनाए थे। हालांकि, इसके बाद वह तीन टेस्ट और खेले और चार पारियों में 54 रन बनाए। हालांकि, चयनकर्ताओं ने उन्हें फिर कभी भारतीय टीम में खेलने का मौका नहीं दिया। पर उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और लगातार मेहनत करते रहे और किस्मत अब उनके साथ खड़ा है। विजय हजारे में शानदार प्रदर्शन कर उन्होंने अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति के सामने दावेदारी पेश की है।

विजय हजारे ट्रॉफी में करुण की शानदार बैटिंग

विजय हजारे ट्रॉफी में करुण के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत विदर्भ की टीम सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है, जहां 16 जनवरी को उनका सामना महाराष्ट्र से होगा। इस दौरान उन्होंने सात मैचों में छह पारियों में बल्लेबाजी की है। इस टूर्नामेंट में अपने पहले मैच में जम्मू कश्मीर के खिलाफ उन्होंने नाबाद 112 रन, छत्तीसगढ़ के खिलाफ 44 रन, चंडीगढ़ के खिलाफ नाबाद 163 रन, तमिलनाडु के खिलाफ नाबाद 111 रन, उत्तर प्रदेश के खिलाफ 112 रन और राजस्थान के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में नाबाद 122 रन की पारियां खेली हैं। पांच बार तो उन्हें विपक्षी टीम आउट ही नहीं कर सकी।

करुण ने शानदार बैटिंग से बनाए कई रिकॉर्ड्स

बल्ले के साथ उनकी जाबांजी ने उन्हें लिस्ट ए क्रिकेट के इतिहास में बिना आउट हुए एक बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रनों की सूची में शीर्ष पर पहुंचा दिया। वह तमिलनाडु के नारायण जगदीशन के बाद टूर्नामेंट के एक संस्करण में पांच शतक बनाने वाले केवल दूसरे बल्लेबाज हैं। अब तक केवल तीन बल्लेबाज लिस्ट ए क्रिकेट में लगातार चार शतक बनाने में सफल रहे हैं। करुण नायर उनमें से एक हैं। करुण ने राजस्थान के खिलाफ विदर्भ के लिए ध्रुव शौरी (नाबाद 118) के साथ नाबाद 200 रन की अटूट साझेदारी की थी। उन्होंने अपने श्एक मौका औरश वाले ट्वीट को लेकर इंडियन एक्सप्रेस से कहा, जब मैंने वह ट्वीट किया था तो वह एक भावुक क्षण था।

अच्छी बल्लेबाजी के बाद भावुक हुए करुण नायर

उन्होंने कहा, छह से सात महीने तक जब मैंने कोई क्रिकेट नहीं खेला तो मैंने नेट अभ्यास के लिए दिन में तीन घंटे नेट्स में बिताए। मेरे पास और कोई विकल्प नहीं था। किसी भी प्रारूप के लिए मेरे नाम पर विचार नहीं किया गया और मैं उस समय काफी भावुक था। मुझे आगे बढ़ना था और खुद पर काम करना था। आगे बढ़ना आसान नहीं था, मुझे इससे उबरने के लिए कुछ महीनों की जरूरत थी और फिर अपने कौशल और मानसिकता पर अभ्यास करना शुरू कर दिया। मैं कहूंगा कि मैं सिर्फ खुद को तैयार कर रहा था ताकि जब मुझे एक और मौका मिले तो मैं किसी को मुझे बाहर करने का बहाना नहीं दूं।

विराट कोहली के कारण 2019 विश्व कप में नहीं चुने गए थे रायुडू? रॉबिन उथप्पा ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने पूर्व कप्तान विराट कोहली पर आरोप लगाए हैं कि उन्होंने 2019 वनडे विश्व कप से ठीक पहले अंबाती रायुडू के लिए टीम के दरवाजे बंद कर दिए थे। मालूम हो कि रायुडू चयन के दावेदार थे, लेकिन जब टीम घोषित हुई तो उनका नाम शामिल नहीं था। इसके बाद रायुडू ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

कोहली को लेकर उठाए सवाल

उथप्पा ने एक साक्षात्कार में कहा, अगर कोहली किसी को पसंद नहीं करते या उन्हें ऐसा लगता था कि कोई खिलाड़ी सही नहीं है तो उसे बाहर कर दिया जाता था। रायुडू इसका उदाहरण हैं। आपको उनके लिए खराब लगेगा। हर खिलाड़ी इस स्तर पर पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत करता है। सबकी अपनी पसंद होती है और मैं यह स्वीकार करता हूं, लेकिन आप किसी खिलाड़ी के लिए उसी के मुंह पर दरवाजे बंद नहीं कर सकते। मेरी राय में वह गलत था।

विश्व कप की जर्सी और किट बैग घर भेजा गया था

उथप्पा ने साथ ही खुलासा किया कि रायुडू के घर पर विश्व कप की जर्सी और किट बैग तक पहुंचा दी गई थी, लेकिन उन्हें फिर भी नहीं चुना गया। उथप्पा ने कहा, उनके पास घर में विश्व कप जर्सी और किट बैग भेजी गई थी। कोई भी खिलाड़ी इससे समझेगा कि वह विश्व कप में खेलने जा रहा है। मेरे लिए यह काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि मैं काफी महत्वपूर्ण स्थान पर खेला हूं। मैं भी अपने देश के लिए विश्व कप जीतना चाहता हूं। जब आपने उनके घर पर सबकुछ भेज दिया और फिर उनके मुंह पर टीम के दरवाजे बंद कर दिए। यह गलत है और अन्याय है। आप किसी के साथ ऐसा नहीं कर सकते।

उथप्पा ने कहा, आपको समझना होगा कि ऐसी चीजें माइंडसेट पर असर डालती हैं। एक खिलाड़ी छोड़िए एक इंसान के नाते यह मायने रखता है। आपने किसी का आत्मविश्वास तोड़ा। इस फैसले के पीछे क्या सोच रही होगी।

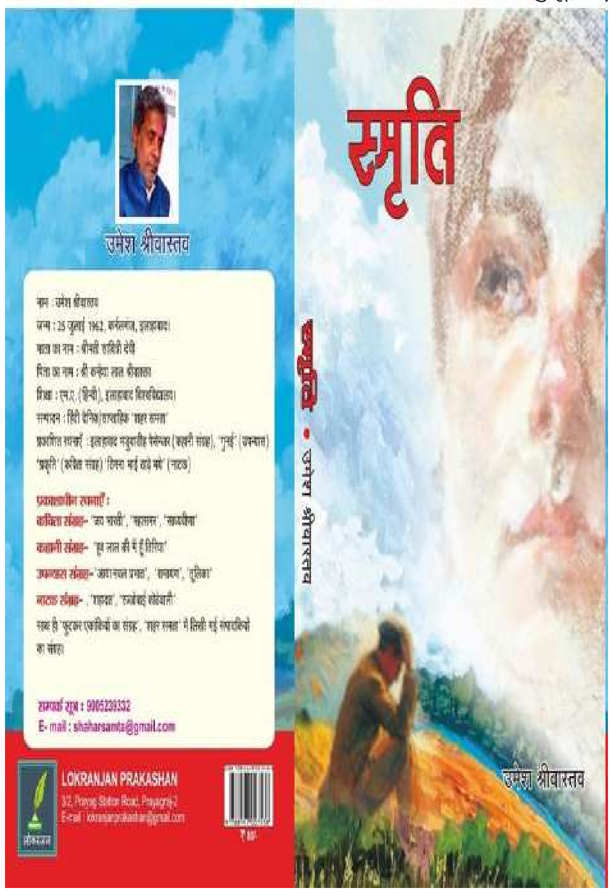

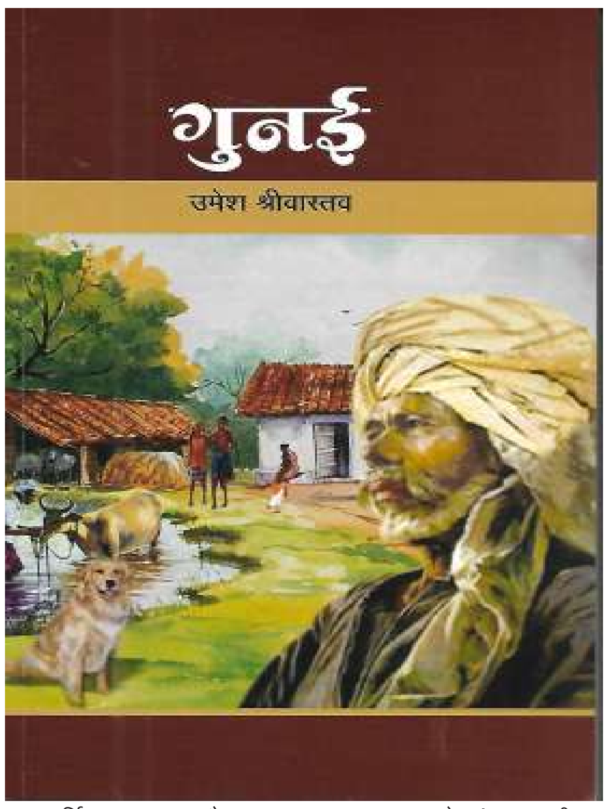

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

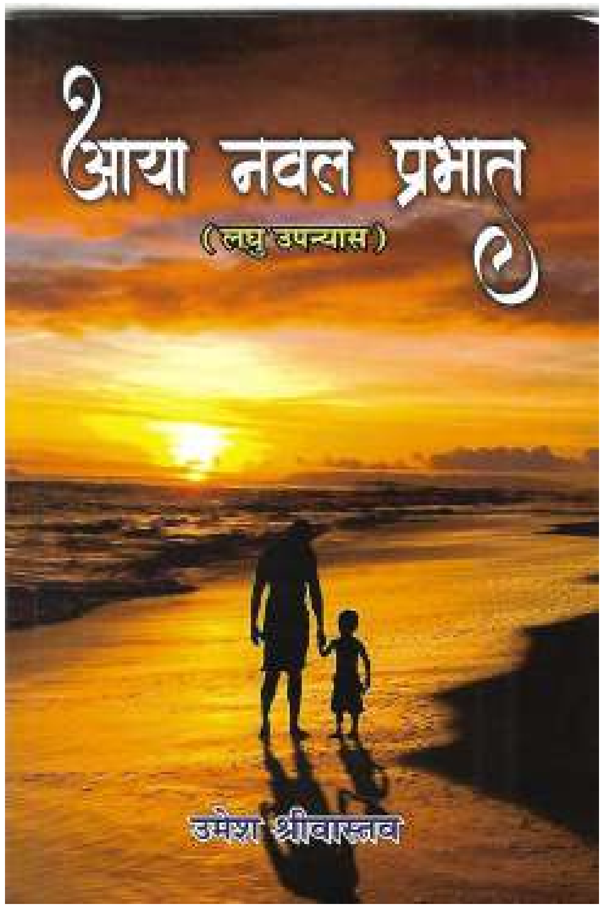

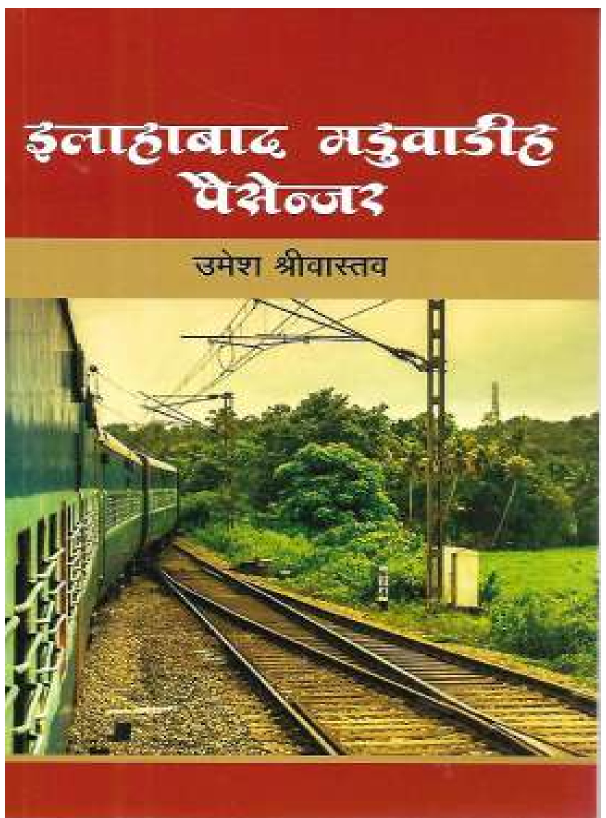

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

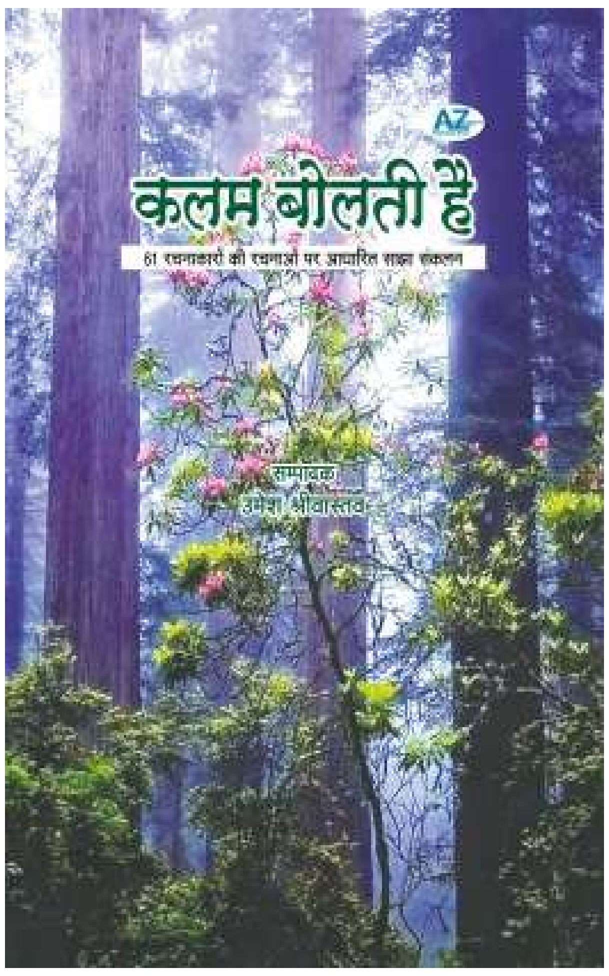

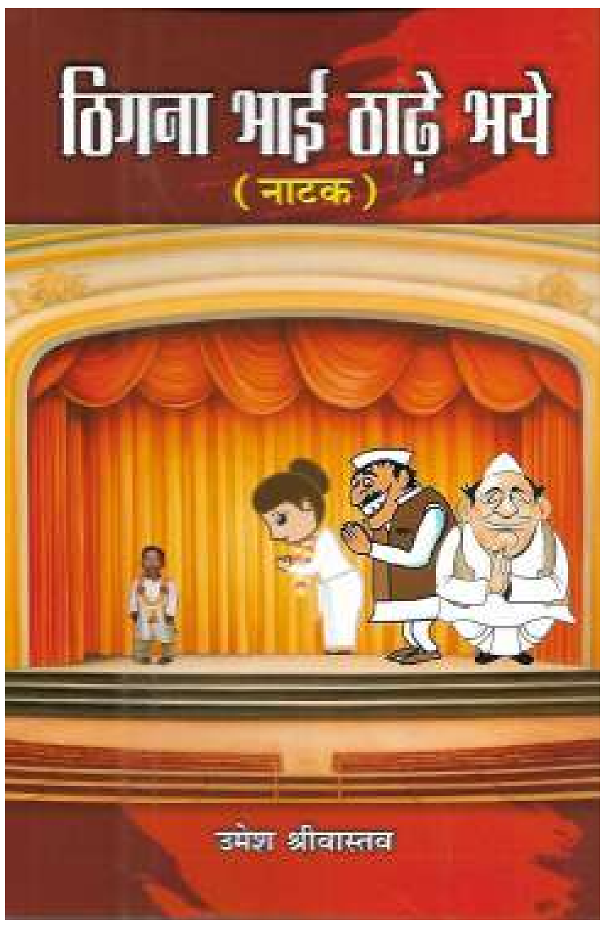

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ज्तनकमंन का अमेरिकी उपभोक्ताओं से ट्रंप की शुल्क लगाने की धमकियों के नुकसान पर विचार करने का आग्रह

वैंकूवर (कनाडा), एजेंसी। कनाडा के निवर्तमान प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कनाडा को अमेरिका का ''51वां प्रांत'' बनाने की पेशकश संबंधी टिप्पणी ने भारी शुल्क के कारण अमेरिकी उपभोक्ताओं को होने वाले नुकसान से लोगों का ध्यान हटा दिया है। ट्रंप ने कनाडा से होने वाले सभी आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दी है। ट्रूडो ने एक साक्षात्कार में कहा, ''(कनाडा अमेरिका का) 51वां प्रांत नहीं बनने वाला। 25 प्रतिशत शुल्क का अमेरिका में आने वाले स्टील और एल्युमीनियम पर क्या असर होगा, इस बारे में बात करने के बजाय लोग ''51वां प्रांत'' के बारे में बात कर रहे हैं।'' ट्रंप ने

यह भी कहा है कि अगर कनाडा का अमेरिका में विलय हो जाता है तो कर कम हो जाएंगे और कोई शुल्क नहीं लगेगा। कनाडा को 51वां प्रांत में बदलने के लिए आर्थिक बल के प्रयोग की ट्रंप की धमकियों के बारे में ट्रूडो ने कहा, ''मैं जानता हूं कि एक सफल वार्ताकार के रूप में वह लोगों को उलझा कर रखना पसंद करते हैं।'' कनाडा प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध देश है और अमेरिका को तेल जैसी वस्तुएं एक सब्सिडी के तौर पर प्रदान करता है। कनाडा के अधिकारियों ने कहा कि अगर ट्रंप दंडात्मक शुल्क लगाने की अपनी धमकी पर अमल करते हैं। तो कनाडा जवाबी कार्रवाई के तौर पर अमेरिकी संतरे के जूस, शौचालय संबंधी उत्पादों और कुछ स्टील उत्पादों पर शुल्क लगाने पर विचार करेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति के तौर पर ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान ही कनाडा ने अपने स्टील और एल्युमीनियम उत्पाद पर ट्रंप के शुल्क के जवाब में बोरबॉन, हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिल और ताश जैसे अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क लगा दिया था। ट्रूडो ने कहा, ''वे (ट्रंप) सभी अमेरिकियों के लिए जीवन आसान बनाने और अमेरिकी श्रमिकों का समर्थन करने के वादे के साथ चुने गए थे। लेकिन ये (शुल्क) ऐसी चीजें हैं जो अमेरिकी लोगों को नुकसान पहुंचाएंगी।

चुकानी होगी इसकी कीमत...कनाडा को अमेरिका में मिलाने के बयान पर जगमीत सिंह की ट्रंप को खुली धमकी

वामपंथी झुकाव वाली न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के नेता और कनाडाई सांसद जगमीत सिंह ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कड़ी चेतावनी दी है और कहा है कि अगर वह कनाडा पर दंडात्मक शुल्क लगाने और विलय की अपनी धमकियों पर अमल करते हैं तो कड़ी जवाबी कार्रवाई की जाएगी। मेरे पास डोनाल्ड ट्रम्प के लिए एक संदेश है। हमारा देश बिक्री के लिए नहीं है – अभी नहीं, कभी नहीं। मैं पूरे देश में रहा हूँ और मैं आपको बता सकता हूँ कि कनाडाई एक गौरवान्वित लोग हैं। हमें अपने देश पर गर्व है और हम इसकी रक्षा के लिए जी जान से लड़ने को तैयार हैं। संकट में घिरे प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी के पूर्व सहयोगी सिंह ने जवाबी कार्रवाई का वादा करते हुए कहा कि कनाडा धमकियों के सामने पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने चेतावनी दी अगर डोनाल्ड ट्रंप सोचते हैं कि वह हमारे साथ झगड़ा कर सकते हैं, तो उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी। अगले सप्ताह कार्यभार संभालने वाले ट्रंप ने कनाडा के आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है। हालाँकि, उन्होंने सुझाव दिया कि अगर ओटावा कनाडा–अमेरिका सीमा पर सुरक्षा में सुधार करता है, तो वह इस पर पुनर्विचार कर सकते हैं, जिसके बारे में उनका दावा है कि यह बिना दस्तावेज वाले प्रवासियों के लिए एक मार्ग है। उन्होंने यह भी तर्क दिया है कि दोनों देशों के विलय से टैरिफ खत्म हो सकता है और करों में कमी आ सकती है, इस धारणा को शीर्ष कनाडाई अधिकारियों ने खारिज कर दिया, जिन्होंने संभावित व्यापार युद्ध के प्रति आगाह किया था।

इमरान खान ने 9 मई के दंगे से जुड़े मामलों में जमानत के लिए लाहौर उच्च न्यायालय का रुख किया

लाहौर,एजेंसी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने नौ मई 2023 की हिंसा से संबंधित आठ मामलों में गिरफ्तारी के बाद जमानत की मांग करते हुए लाहौर उच्च न्यायालय का रुख किया है। इन मामलों में एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी के आवास पर हमला भी शामिल है। लाहौर उच्च न्यायालय के समक्ष शनिवार को अलग–अलग जमानत याचिकाएं दायर की गईं। पिछले साल नवंबर में लाहौर की आतंकवाद निरोधक अदालत ने इन मामलों में खान को जमानत देने से इनकार कर दिया था। खान (72) ने अपनी याचिकाओं में तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष उनकी गिरफ्तारी के बाद नौ मई को हुई हिंसा में उनकी संलिप्तता साबित करने में विफल रहा है। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय परिसर से 9 मई 2023 को अर्धसैनिक रेंजर्स द्वारा खान की गिरफ्तारी के बाद हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिन्ना हाउस (लाहौर कोर कमांडर हाउस), मियांवाली एयरबेस और फैसलाबाद में आईएसआई बिल्डिंग समेत एक दर्जन सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की। भीड़ ने रावलपिंडी में सेना मुख्यालय (जीएचक्यू) पर भी हमला किया था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

भारत के प्रोग्राम में शामिल होंगे पाकिस्तान-तालिबान, बांग्लादेश ने फिर दिखा दी अपनी औकात

बांग्लादेश लगातार अपने रिश्तों को भारत के साथ खराब करने में जुटा है। आपको सुनने में ये खबर अटपटी लग सकती है, लेकिन ये खबर वाकई में सच है। बांग्लादेश अब पूरी तरह से पाकिस्तान की राह पर चल रहा है। पहले उसने भारत में होने वाले जज के कॉन्फ्रेंस में आने से इनकार किया। अब इसके बाद बांग्लादेशी अधिकारियों ने भारत के मौसम विज्ञान विभाग के 150वें वर्षगांठ से जुड़े समारोह में शामिल होने से इनकार कर दिया है। इसके पीछे बांग्लादेशी अधिकारी तर्क दे रहे हैं कि सरकारी खर्च पर गैर जरुरी विदेशी यात्रा करने पर पाबंदियां लग रही है। इसलिए हम इस तरह के कार्यक्रम में सम्मलित नहीं हो सकते हैं। बांग्लादेश मौसम विभाग (बीएमडी) के कार्यवाहक निदेशक मोमिनुल इस्लाम ने कहा कि भारत के मौसम विभाग ने हमें समारोह में आमंत्रित किया है। हालांकि, हम इस कार्यक्रम में नहीं जा रहे हैं, क्योंकि सरकारी खर्च पर गैर–जरूरी विदेश यात्राओं को सीमित करना दायित्व है। उन्होंने दोनों देशों के मौसम विभागों के बीच नियमित संपर्क पर जोर दिया और भारतीय मौसम विज्ञानियों के साथ एक अलग बैठक के लिए 20 दिसंबर 2024 की अपनी हालिया भारत यात्रा का उल्लेख किया। जाहिर तौर पर बांग्लादेश में जब से चरमपंथियों का उदय हुआ है तब वो लगातार भारत के साथ अपने रिश्तों को खराब करने पर जोर दे रहे हैं। दूसरी तरफ वो पाकिस्तान को अपने भाई के तौर पर देख रहे हैं। उस पाकिस्तान को जिसने बांग्लादेश में जुल्म करने की इम्तिहां पार कर दी थी। अब उस बांग्लादेश को पाकिस्तान अपना भाई अपना दोस्त दिखने लगा है। भारत के साथ वो लगातार अपने रिश्तों को तव्ज्जों नहीं दे रहा है।

पाकिस्तान–तालिबान आएगा

आईएमडी से पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भूटान, नेपाल, श्रीलंका और मालदीव समेत कई पड़ोसी देशों और मध्य एशिया व दक्षिण पूर्व एशिया के देशों को इस समारोह में आमंत्रित किया है। पाकिस्तान पहले ही इस आयोजन में शामिल होने के लिए सहमत हो गया है। ब्रिटिश शासन के दौरान भारतीय मौसम विभाग की स्थापना 1875 में हुई ती। विभाग 15 जनवरी 2025 को 150वीं वर्षगांठ मनाएगा।

बाइडन ने तालिबान की कैद में मौजूद अमेरिकी नागरिकों के रिश्तेदारों से बात की

संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने कहा कि हबीबी और उनके चालक को कंपनी के 29 अन्य कर्मचारियों के साथ ले जाया गया था, लेकिन हबीबी तथा एक अन्य व्यक्ति को छोड़कर सभी को रिहा कर दिया गया। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने उन तीन अमेरिकी नागरिकों के रिश्तेदारों से बात की, जिन्हें अफगानिस्तान में तालिबान ने बंधक बना रखा है। हालांकि, परिवार के सदस्यों ने कहा कि उन्हें वापस लाने के लिए कोई समझौता नहीं हो पाया है। रेयान कॉर्बेट, जॉर्ज ग्लेजमैन और महमूद हबीबी के परिवार के सदस्यों के साथ बाइडन की बातचीत उनके प्रशासन के अंतिम दिनों में हुई है। अधिकारी बंधकों की रिहाई को लेकर एक समझौते पर बातचीत की कोशिश कर रहे हैं, जिसके तहत अमेरिका के ग्वांतानामो बे में बंद अफगानिस्तान के शेष बंदियों में से एक मोहम्मद रहीम के बदले इन अमेरिकियों को स्वदेश वापस लाया जा सके। कॉर्बेट 2021 में अमेरिका समर्थित अफगानिस्तान सरकार के पतन के समय अपने परिवार के साथ अफगानिस्तान में रह रहे थे। अगस्त 2022 में एक व्यापारिक यात्रा के दौरान तालिबान ने उनका अपहरण कर लिया था और अटलांटा के एक एयरलाइन मैकेनिक ग्लेजमैन को तालिबान की खुफिया सेवाओं ने दिसंबर 2022 में देश से यात्रा करते समय अगवा कर लिया था। अधिकारियों का मानना ष्है कि तालिबान ने अब भी दोनों पुरुषों के साथ–साथ हबीबी को भी बंधक बना रखा है। हबीबी एक अफगान अमेरिकी व्यवसायी है जो काबुल स्थित एक दूरसंचार कंपनी के लिए ठेकेदार के रूप में काम करते थे और 2022 में लापता हो गए। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने कहा कि हबीबी और उनके चालक को कंपनी के 29 अन्य कर्मचारियों के साथ ले जाया गया था, लेकिन हबीबी तथा एक अन्य व्यक्ति को छोड़कर सभी को रिहा कर दिया गया।

तालिबान ने हबीबी के उनके पास होने से इनकार किया है, जिससे अमेरिकी सरकार के साथ वार्ता और समझौते को अंतिम रूप देने की संभावना जटिल हो गई है। हबीबी के भाई अहमद हबीबी के एक बयान के अनुसार, फोन पर बाइडन ने बंधक बनाए गए लोगों के परिवारों से कहा कि उनका प्रशासन रहीम को तब तक नहीं छोड़ेगा, जब तक तालिबान हबीबी को रिहा नहीं कर देता। रहीम को 2008 से ग्वांतानामो में रखा गया है।

भारत के उच्चायुक्त को किया था तलब, अब ठंदहसंकर्मी को दिलाई उसकी औकात याद, भागे-भागे नूरल इस्लाम पहुंचे विदेश मंत्रालय

बॉर्डर पर बीएसएफ के एक्शन को देख बांग्लादेश इस समय सकते में है। वो हैरान है कि भारत इतने बड़े स्तर पर बाड़ाबंदी को अंजाम तक क्यों पहुंचा रहा है। बांग्लादेश की सरकार इसे लेकर लगातार राजनयिक स्तर पर भारत सरकार से बातचीत में जुटी है। उधर बीएसएफ अपने काम में जुटी हुई है। बांग्लादेश के विदेश सचिव ने ढाका के विदेश मंत्रालय में भारत के उच्चायुक्त प्रणय वर्मा के साथ एक विशेष बैठक की। कई न्यूज आउटलेट में इसे तलब करना भी बताया गया। जिसके बाद अब विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली और ढाका के बीच बढ़ते तनाव पर चर्चा के लिए बांग्लादेश के उप उच्चायुक्त नूरल इस्लाम को तलब किया। बांग्लादेश ने आरोप लगाया कि भारत द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन करते हुए भारत–बांग्लादेश सीमा पर पांच स्थानों पर बाड़ लगाने की कोशिश कर रहा है। ढाका ने सीमा तनाव को लेकर भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया था। मीडिया से बात करते हुए भारतीय दूत प्रणय वर्मा ने कहा कि सीमा पर सुरक्षा के लिए बाड़ लगाने के संबंध में दोनों देशों मे सहमति है। हमारे सीमा सुरक्षा बल संपर्क मे है। हम उम्मीद करते है कि इस सहमति को लागू किया जाएगा। अपराधों से निपटने पर सहयोगपूर्ण नजरिया अपनाया जाएगा। बांग्लादेश में गृह मामलो के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल जहांगीर आलम चौधरी ने कहा कि भारत ने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (ठळठ) और स्थानीय लोगों के कड़े विरोध के चलते सीमा पर कांटेदार तार की बाड़ लगाने का काम रोक दिया है। चौधरी ने कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान हुए कुछ समझौतों की वजह से बांग्लादेश–भारत सीमा पर कई मुद्दे पैदा हो गए है। बांग्लादेश–भारत के बीच सीमा गतिविधियो को नियंत्रित करने के लिए दोनों देशों के बीच 4 समझौते भी मौजूद है।

सीरिया में युद्ध अपराध के संदिग्धों के खिलाफ प्रतिबंध जारी रहें लेकिन लोगों को राहत की जरूरत : जर्मनी

रियाद, एजेंसी। जर्मनी की विदेश मंत्री ने कहा कि युद्ध के दौरान अपराधों के लिए जिम्मेदार सीरियाई अधिकारियों के खिलाफ प्रतिबंध जारी रहना चाहिए लेकिन उन्होंने पिछले महीने राष्ट्रपति बशर असद सरकार का तख्तापलट किये जाने के बाद सीरियाई

आबादी को राहत प्रदान करने के लिए 'सही दृष्टिकोण' अपनाने का आह्वान किया। एनालेना बेरबॉक ने सऊदी अरब में आयोजित सीरिया के भविष्य पर एक सम्मेलन में पत्रकारों को संबोधित किया। इस सम्मेलन में यूरोपीय और पश्चिमी एशिया के शीर्ष राजनयिकों ने भाग लिया। जर्मनी उन देशों में से एक है जिन्होंने असहमति पर क्रूर कार्रवाई करने के लिए असद सरकार पर प्रतिबंध लगाए हैं। ये प्रतिबंध सीरिया को लगभग 14 साल के गृहयुद्ध से उबरने में बाधा बन सकते हैं। गृह युद्ध में अनुमानित 500,000 लोग मारे गए और 2.30 करोड़ लोग विस्थापित हुए हैं। बैरबॉक ने कहा, ''गृहयुद्ध के दौरान गंभीर अपराध करने वाले असद के गुर्गों के खिलाफ प्रतिबंध लागू रहना चाहिए। लेकिन जर्मनी प्रतिबंधों के लिए एक सही दृष्टिकोण अपनाने का प्रस्ताव करता है, जिससे सीरियाई आबादी को तेजी से राहत मिल सके। सीरियाई लोगों को अब सत्ता परिवर्तन से त्वरित लाभ की आवश्यकता है।'' बैरबॉक ने भोजन, आपातकालीन आश्रयों और चिकित्सा देखभाल के लिए जर्मन सहायता में अतिरिक्त 5.12 करोड़ अमेरिकी डॉलर की घोषणा की। अमेरिका, यूरोपीय और कुछ अरब देशों ने 2011 के विद्रोह पर असद द्वारा की गयी कार्रवाई के बाद प्रतिबंध लगाना शुरू कर दिया और संघर्ष के युद्ध में तब्दील होने पर उन्हें और कड़ा कर दिया। प्रतिबंध न केवल सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों पर लगाये गये थे बल्कि देश के तेल उद्योग, अंतरराष्ट्रीय धन हस्तांतरण और असद सरकार से जुड़ी सैकड़ों संस्थाओं व लोगों पर भी लागू किये गये थे, जिससे अर्थव्यवस्था को व्यापक नुकसान पहुंचा था।

नाइजीरियाई सेना के हवाई हमलों में गलती से कई नागरिकों की मौत, विद्रोहियों को बना रहे थे निशाना

अबुजा। नाइजीरिया के उत्तरी–पश्चिम इलाके में सेना के हवाई हमले में कई नागरिकों की मौत हो गई। सेना संघर्षरत इलाकों में हथियारबंद समूहों को निशाना बनाने का प्रयास कर रही थी। ये नागरिक स्थानीय सुरक्षा बलों के साथ मिलकर काम कर रहे थे। नागरिकों पर यह हमला गलती से हुआ। अधिकारियों और स्थानीय निवासियों ने यह जानकारी दी। पिछले एक साल में सेना का यह तीसरा हवाई हमला है, जिसमें नागरिकों की जान गई। नाइजीरिया सेना जमफारा राज्य के जुरमी और मराजुन इलाकों में विद्रोही समूह को निशाना बना रही थी। राज्य के गवर्नर के प्रवक्ता सुलैमान बाला इदरीस ने रविवार को बताया कि हवाई हमले में कुछ नागरिकों की भी मौत हो गई। ये लोग श्नागरिक संयुक्त कार्यबलश और श्स्थानीय सतर्कता बलश के सदस्य थे। इदरीस ने बताया कि ये लोग इलाके से भाग रहे थे। इसलिए इन्हें गलती से डाकू समझ लिया था। हालांकि, अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि कितने नागरिक मारे गए हैं। नाइजीरियाई वायु सेना ने भी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया। स्थानीय निवासी सलिसु मराजुन ने बताया कि उन्होंने 20 शवों को गिना। 10 अन्य लोग घायल हुए और उनका उपचार चल रहा है। जमफारा की राज्य सरकार ने इसे एक श्कामयाबश हमला बताया और कहा कि यह डाकुओं को निशाना बनाने के लिए निर्णायक कदम था। राज्य सरकार ने यह भी कहा कि वह आगे भी खुफिया जानकारी साझा करना, लॉजिस्टिक और समुदाय से जुड़ी पहल में सहयोग जारी रखेगी।

भीषण आग से मरने वालों की संख्या बढ़कर 24 हुई, पानी की कमी बड़ा मुद्दा बन गया

लॉस एंजिल्स क्षेत्र में आग ने कम से कम 24 लोगों की जान ले ली है। हजारों लोगों को पलायन करने के लिए मजबूर किया है और 12,000 से अधिक संरचनाएं नष्ट कर दी हैं, जिससे सैन फ्रांसिस्को से भी बड़ा क्षेत्र जल गया है। आग पिछले मंगलवार को शुरू हुई थी, तेज़ सांता एना हवाओं के कारण लगी थी, जिसके मध्य सप्ताह तक जारी रहने की उम्मीद थी। कैल फायर ने बताया कि पैलिसेडेस, ईटन, केनेथ और हर्स्ट की आग ने लगभग 160 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को झुलसा दिया है। आग लगने का कारण अभी भी अज्ञात है, लेकिन प्रारंभिक अनुमानों से पता चलता है कि यह अमेरिकी इतिहास में सबसे महंगी आग बन सकती है।

पहली बार ऐसा नुकसान

अकेले लॉस ऐंजिलिस में लगी आग से अब तक करीब 4.30 लाख करोड़ रुपये (50 अरब डॉलर) के नुकसान का अनुमान है। इस काउंटी में शुक्रवार को लगभग 1 करोड़ लोगों को गलत फायर एग्जिट अलर्ट (आग वाले इलाकों से बाहर निकलने का मेसेज) मिला। अधिकारियों को कहना है कि सेलफोन टावरों में आग की वजह से यह समस्या हो रही है।

आग बुझाने के लिए पानी कम पड़ गया

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने आग से जूझ रहे लॉस एंजिलिस के इलाके को श्जंग का मैदानश बताया और कहा कि अब भी बहुत से लोग लापता हैं। आग बुझाने की कोशिशों के बीच पानी की कमी बड़ा मुद्दा बन गया है। कैलिफॉर्निया के गवर्नर ने इसकी स्वतंत्र जांच की मांग की है कि आखिर पानी की कमी ने हॉलिवुड सितारों की सरजमीं लॉस एंजिलिस में आग के खिलाफ जंग को कैसे नुकसान पहुंचाया है। गवर्नर ने कुछ फायर हाइड्रेट में सप्लाई की कमी और सांता यनेज जलाशय से पानी की सप्लाई की अनुपलब्धता के दावों की स्वतंत्र जांच की मांग की है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।